मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक-

दिन-

काव्यांजलि दैनिक सृजन

2001 से 2100

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

शिक्षक का सम्मान

दिनाँक- 28/04/2021

दिन- बुधवार

2001

God on Earth

Three gods are on this Earth,
one of them is mother who gives us a birth.
God wants to present everywhere,
thats why God created mother.

Morher gives us gentle care,
she never see our eyes full with tear.
Second God is doctor I am sure,
because in his hand our life is secure.

Whenever we are in danger,
doctor saves our life by his cure.
Third God is a teacher,
because he brighten our future.

A teacher grow up small creature,
so we call him national builder.
He is as bright as shining Sun,
he is one who converts a man into human.

Written by
Farah Haroon"Wafa" (H.T.)
P.S. Madiya Bhansi
Salarpur, Budaun

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक 28/04/2021

दिन बुधवार

2002

शिव-शक्ति

तू ही शिव है, तू ही है शक्ति,
तू ही ज्ञान है, तू ही है भक्ति।
तू ही सभ्यता है, तू ही है संस्कृति,
तू आदि पुरुष है, तू है आदि शक्ति।।

अन्तर्मन में तू है समाया,
तुझ से नहीं है कुछ भी छिपाया।
तू ही आसक्ति है, तू ही विरक्ति,
तू ही शिव है,तू ही है शक्ति।।

मन के भावों को तू पहचानें,
जो सबसे छिपा है उसको भी जानें।
तू ही पुरुष है, तू ही है प्रकृति,
तू ही शिव है, तू ही है शक्ति।।

सारे जग का तू रखवाला,
सबकी रक्षा करने वाला।
तू ही विस्मृति है, तू ही स्मृति,
तू ही शिव है, तू ही है शक्ति।।

रचना-
भावना शर्मा (प्र०अ०)
प्रा० वि० नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

शिक्षक का सम्मान

दिनाँक-28.04.2021

2003

दिन-बुधवार

प्रदूषण को दूर भगाएँ

एक बीज से पौधा निकल आता,
पौधा सींचकर पेड़ बन जाता।
फूल फलों से जब लद जाता,
मेरे मन को है अति भाता।।

शाखा पर पक्षियों का डेरा,
जोड़ कर तिनका बनाते बसेरा।
पेड़ धरती का श्रृंगार करते हैं,
सब पर उपकार कर प्राण फूँकते हैं।।

चारा देते, लकड़ी देते,
वर्षा करके पानी देते।
मेरा सबसे यही कहना है,
पेड़ धरा का गहना है।।

आओ मिलकर पेड़ लगाएँ,
जीवन को सुखद बनाएँ।
प्रदूषण को दूर भगाएँ,
मिलजुल कर पर्यावरण बचाएँ।।

रचना:-
माधव सिंह नेगी (प्र०अ०)
रा० प्रा० वि० जैली
जखोली, रुद्रप्रयाग

शिक्षा का उत्थान मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक 29-04-2021

दिन गुरुवार

2004

हे ब्रह्मचारिणी! हे ब्रह्मचारिणी!
द्वितीय नवदुर्गा, अति पावनी।
द्वितीय दिवस, ब्रह्मचारिणी है आती,
भक्तों की विपदा, हर ले जाती।।

द्वितीय नव दुर्गा माँ ब्रह्मचारिणी

ब्रह्म का अर्थ है तपस्या,
चारिणी का अर्थ है आचरण।
माँ ने शिव को पाने हेतु
घोर तपस्या का किया था वरण।।

दाएँ हाथ में माला होती,
बाएँ हाथ में कमण्डल।
कुण्डलिनी शक्ति जाग्रत होती,
जो विधि से करता पूजन।।

श्वेत रंग वस्त्रों को धारण,
श्वेत पुष्प से करें पूजन।
श्वेत रंग माँ को अति प्रिय,
श्वेत पंचामृत का करें अर्पण।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

रचना

हेमलता गुप्ता (स०अ०)

प्रा 0वि0मुकन्दपुर

लोधा, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

शिक्षक का सम्मान

दिनाँक- 29-04-2021

दिन- गुरुवार

2005

ज्वालामुखी के प्रकार

ज्वालामुखी के तीन प्रकार,
आओ जानें भली प्रकार।
जो आग उगलते रहते हैं,
सक्रिय ज्वालामुखी कहते हैं।।

सुप्तावस्था में हैं जो रहते,
सुप्त ज्वालामुखी है कहते।
मुँह से धुआँ निकलता रहता,
अन्दर-अन्दर सुलगता रहता।।

तीसरा ज्वालामुखी है शान्त,
जिसमें बन गयी झील प्रशान्त।
पहले इनमें विस्फोट हुआ था,
लावा बाहर निकल गया था।।

रचना-
विशाखा द्विवेदी कक्षा- 7
उ० प्रा० वि० चित्रवार
मऊ, चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक 29.04.2021

दिन गुरुवार

2006

कौन कुशल वो चित्रकार है!

कौन कुशल वो चित्रकार है!
जिसने सृष्टि बनायी है।
घनघोर गरजते मेघों में,
बिजली भी चमकायी है।।

जीवन का संचार करने,
सूरज में प्रखरता चमकायी है।
कण्टक बीच खिले फूलों में,
कली मधुर मुस्कायी है।।

रंग रूप गुलाबों में भरकर,
फिर सुगन्ध सरस महकायी है।
हृदय का अन्धकार हरकर,
ज्ञान की ज्योति जलायी है।।

खारा जल सागर के हिस्से,
सरिता मधुर बहायी है।
कौन कुशल वो चित्रकार है!
जिसने सृष्टि बनायी है।।

रचना- धर्मेन्द्र सिंह सरस (स० अ०)
प्रा० वि०- कोहला
वि० क्षेत्र- मवाना, जनपद- मेरठ

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

शिक्षक का सम्मान

दिनाँक- 29/04/2021

2007

दिन-गुरूवार

शिक्षण

बच्चों का स्कूली जीवन,
मानो खिलता हुआ उपवन।
ज्ञान को बाहरी जीवन से जोड़ना,
बच्चों के आत्म बल को बढ़ाना।।

बातचीत के माध्यम से है सिखाना,
भयमुक्त वातावरण है देना।
बच्चे का अनुभव है श्रेष्ठ,
कक्षा शिक्षण में स्थान देना सर्वश्रेष्ठ।।

खेलकूद गतिविधि समूह बनाकर,
रोचकता से बनेगा शिक्षण रुचिकर।
टी० एल० एम०, चित्र, कहानी, कविता परस्पर,
इनसे मिलते हैं सीखने के अवसर।।

बच्चों का मानसिक व व्यक्तित्व विकास,
अभिव्यक्ति से बढ़ेगा आत्मविश्वास।
शिक्षा बच्चों में लाती जागरूकता,
जिसमें विद्यालय की है महत्वपूर्ण भूमिका।।

बच्चों का स्कूली जीवन,
मानो खिलता हुआ उपवन।।

रचना
विमला बिष्ट (स० अ०)
रा० प्रा० वि० शिवनाथपुर न० ब०
ब्लॉक-रामनगर, नैनीताल

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

शिक्षक का सम्मान

दिनाँक 30.04.2021

दिन शुक्रवार

2008

पेड़

एक पेड़ हम जरूर लगाएँ,
अपना जीवन सभी बचाएँ।
हम पेड़ों के फल भी खाते,
और लकड़ी से घर बनाते।।

हमें गर्मी में जब चक्कर आये,
ठण्डी छाँव में आराम फरमाये।
पेड़ों को अब कटने से रोको,
अपने जीवन के बारे में सोचो।।

फल, फूल और वह हरियाली,
जिससे जीवन में खुशहाली।
पेड़ नहीं है तो जीवन नहीं,
है ये कल्पना बिल्कुल सही।।

पेड़ों से ऑक्सीजन मिलती,
जिससे हमारी सांसे चलती।
पेड़ हमें सब कुछ ही देते हैं,
क्या हमसे कभी पैसे लेते हैं।।

रचना- रचना सिंह वानिया (स० अ०)
प्रा० वि० आलमपुर बुजुर्ग
वि० क्षेत्र- रजपुरा, जनपद- मेरठ

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक 30-04-2021

दिन-शुक्रवार

2009

छुटकी

छुटकी बोली पापा जी से,
गुड़िया मुझको ला दो ना।
गुड़िया संग एक प्यारा गुड्डा,
पापा मुझको ला दो ना।।

लहंगा चुनरी पहनाकर,
गुड़िया को दुल्हन बनाऊँगी।
गहने सारे पहनाकर मैं,
बिंदिया लाल लगाऊँगी।।

गुड्डे को भी सहरा लगाकर,
दूल्हा उसको बनाऊँगी।
सखियों संग मैं मिलजुलकर,
गुड़िया का ब्याह रचाऊँगी।।

रोयेगी जब गुड़िया रानी,
उसको चुप मैं कराऊँगी।
याद में गुड़िया रानी के,
मैं भी आँसू बहाऊँगी।।

रचना-
सपना (स० अ०)
प्राथमिक विद्यालय उजीतीपुर
भागयनगर, औरैया

आओ हाथ से हाथ मिलायें बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

शिक्षक का सम्मान

दिनाँक- 30-04-2021

2010

दिन- शुक्रवार

नन्ही चिड़िया

फुदक-फुदक के नन्ही चिड़िया,
मन ही मन हरषाती है।
दिखता आज साफ नभ-मण्डल,
गीत खुशी के गाती है।।

पेड़ों की घन छाह न भाए,
नीलगगन है रिझा रहा।
संग साथ मे नन्ही-नन्ही,
चिड़ियाँ और बुलाती है।।

दाना, पानी की ना चिन्ता,
घर-घर झाँक रहीं देखो।
देखे अनुशाषित मानव को,
मन-मन ही पुलकाती है।।

शोर मचाती नीड में अपने,
जाने क्या कहना चाहे।
इस डाली से उस डाली तक,
चीं-चीं-चीं कर जाती है।।

रचना- इन्दुरानी (स० अ०)
उ० प्रा० वि० सालारपुर खालसा
जोया, अमरोहा

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

शिक्षक का सम्मान

दिनाँक- 30/04/2021

दिन- शुक्रवार

2011

विश्वास

बढ़े चलो अटल विश्वास से तुम,
ना डरो तुम घने अँधेरे से।
राह कठिन होगी तुम्हारी,
पर अन्त सुखद जरूर होगा।।
राह में होगी मुश्किल,
धैर्य धारण कर लो तुम।
हिम्मत करके आगे बढ़ो,
सब कुछ अच्छा होगा।।
थक कर हार न मानो तुम,
डटकर करो सामना भय का।
लक्ष्य तुम्हारा अब दूर नहीं,
मंजिल पर सब कुछ आसान होगा।।
पा लोगे तुम जब मंजिल को,
तब सुखद एहसास पाओगे।
दूर होंगी सारी उलझन,
मन में विश्वास अटल होगा।।

रचना-

मृदुला वर्मा (स० अ०)
प्राथमिक विद्यालय अमरौधा- प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

आओ हाथ से हाथ मिलायें बेसिक शिक्षा का मान बढायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 30.04.2021

2012

दिन-शुक्रवार

बगिया में फूल खिले

देखो बगिया में फूल खिले,
हिल-मिल आपस में गले मिले।
सुन्दर रंगों की छटा खिली,
बगिया को रंगत नई मिली।।

तितली सुन्दर प्यारी-प्यारी,
मँडराती फूलों पर है चली।
भँवरे भी गुनगुन करते हैं,
मदमाती मधु मन पवन चली।।

जित देखूँ उत खुशियाँ बिखरी,
अँखियाँ सबकी हैं खिली-खिली।
देखो कैसा जादू इनका,
रोती नजरें भी फूल सी खिली।।

इनके ऊपर शबनम नन्हीं,
लुड़की-लड़की सी चली अली।।

दीक्षा जोशी, (प्र० अ०)
रा० प्रा० वि० चोरगलिया
ब्लॉक-हलद्वानी, नैनीताल

आओ हाथ से हाथ मिलायें बेसिक शिक्षा का मान बढायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

शिक्षक का सम्मान

दिनाँक 01/05/2021

दिन शनिवार

2013

मानवीय मूल्य

जीवन को सफल बनायेंगे,
हम आगे बढ़ते जायेंगे।
द्वेष-भाव को त्यागेंगे,
प्रेम-भाव को अपनायेंगे।।
घमण्ड भाव को त्याग कर,
नम्रता को अपनाकर।
समता भाव फैलायेगें,
भेदभाव को मिटायेंगे।।
दया, अहिंसा, ईमानदारी,
सहयोगी और परोपकारी।
गुणों को हम अपनायेंगे,
सुकून से जीवन जी पायेंगें।।

ये सब हैं जीवन के मूल्य,
इन्हें कहते मानवीय मूल्य।
इन्हें जो इन्सान अपनायेगा,
जीवन अपना श्रेष्ठ बनायेगा।।

रचना-
माला सिंह (स० अ०)
क० वि०- भरौटा
सरधना, मेरठ

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक 01-05-2021

दिन शनिवार

शिक्षक का सम्मान

2014

महावीर जयन्ती

पिता सिद्धार्थ का प्यारा,
त्रिशला माँ का न्यारा।
चैत्र सुदी तेरस को जन्मे,
वह महावीर अति प्यारा।।

धन्य हुई कुण्डलपुर नगरी,
जहाँ जन्मा राज दुलारा।
वीर, सन्मति, वर्धमान,
अतिवीर है नाम प्यारा।।

नर-नारी भक्ति करते,
घर-आँगन खूब सजाया।
हर्षित हो देवी-देवता ने,
मेरू पर अभिषेक कराया।।

जीओ और जीने दो का,
सबको सन्देश सुनाया।
समता का पाठ पढ़ाकर,
जैन धर्म का ध्वज फहराया।।

रचना - अनुपमा जैन (स० अ०)
पू० मा० वि०- मौहकमपुर
इगलास, अलीगढ़

आओ हाथ से हाथ मिलायें बेसिक शिक्षा का मान बढायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक 01.05.2021

दिन शनिवार

2015

आज मेरे बगीचे में

एक नन्हा सा फूल खिला है आज मेरे बगीचे में,
खुशबू चारों ओर है फैली आज मेरे बगीचे में।
लाल सुनहरा रंग है उसका, कोमल-कोमल पंखुड़ियाँ है,
खुशी से झूमे गाए कोयल आज मेरे बगीचे में।।

बड़े जतन से बड़ी लगन से पौधा मैनें रोपा था,
नित उठ-उठ कर उसको मैंने जल से सींचा था।
कली देख कर पौधे पर मन मेरा हर्षाया था,
फूल देख कर बगीचे में भौरें ने गान सुनाया था।।

फूल हैं सुन्दर फूल हैं कोमल, बनता इनसे सब जग सुन्दर,
रंग-बिरंगे फूल और पौधे, स्वच्छ हवा भरते सांसों के अन्दर।।
तितली, भौरों और कोयल का गुन्जन,
रोशन करते अपना तनमन और जीवन।।

अति उपयोगी अति बहुमूल्य, समझें हम सब इनका मोल,
पर्यावरण को स्वच्छ बनाते, बच्चों के मन को है भाते।
जीवन में ये रंग है भरते,मन को ढेर सी खुशियाँ देते,
लाभकारी है पौधों का साथ, रोपें पौधे थामें जीवन का हाथ।।

रचना -

डॉ० नीतू शुक्ला (प्र०अ०)

मॉडल प्राइमरी स्कूल बेथर 1
सिकंदरपुर कर्ण - उन्नाव

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 01-05-2021

दिन- शनिवार

2016

पेड़

परोपकार का दृष्टान्त है पेड़,
जीवों का आधार है पेड़।
हरी-भरी पत्तियों का गहना,
क्लोरोफिल से भरी क्या कहना।।

प्रकाश संश्लेषण की क्रिया में,
पौधे खुद भोजन अपना बनाते।
प्राण वायु ऑक्सीजन सबको देते,
कार्बन डाई ऑक्साइड हम से लेते।।

सबको देते छाया पेड़,
लकड़ी इमारती भी देते ढेर।
अनेक औषधियों से भरे हैं पेड़,
हर नुकसान से बचाते पेड़।।

आओ पेड़ों को बचाएँ, लगाएँ,
जीवन पेड़ों से है सबको बताएँ।
ऑक्सीजन पेड़ों से भरपूर पाएँ,
अपने पर्यावरण को स्वच्छ बनाएँ।।

रचना:-डॉ० आभा सिंह भैसोड़ा
(स० अ०)
रा० प्रा० वि० देवलचौड़
हल्द्वानी, नैनीताल

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

शिक्षक का सम्मान

दिनाँक 03.05.2021

दिन सोमवार

2017

पेड़ों की छाँव, मेरे गाँव

ठण्डी-ठण्डी है पीपल की छाँव,
हरी-हरी पाती लुभाती वो ठाँव।
बड़ा-बूढ़ा है बरगद मेरे ही गाँव,
निकलूँ उधर से ठिठक जाते हैं पाँव।।

घर-घर में शादी, मँगल गीत गाते,
मिल-जुल के पूजने छेई तेल जाते।
पीपल को देव सा मान पूज आते,
बिरवे में प्राण हैं भाव ये सजाते।।

काका बताते पीपल न काटिए,
देता जो प्राणवायु उसको भी सोंचिए।
पाती, छाल, बीज में गुण हैं देखिए,
सुख चाहते हो तो पौधे रोपिए।।

पीपल और बरगद, नीम न भुलाओ,
द्वार-द्वार पर गाँव के छोर पर लगाओ।
खाली जमीन को हरियल बनाओ।
फल, फूल, औषधि, लकड़ी भी पाओ।।

रचना
सतीश चन्द्र (प्र०अ०)
प्रा० वि० अकबापुर
पहला, जनपद- सीतापुर

आओ हाथ से हाथ मिलायें बेसिक शिक्षा का मान बढायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक 03.05.2021

दिन सोमवार

2018

महत्वपूर्ण नम्बर

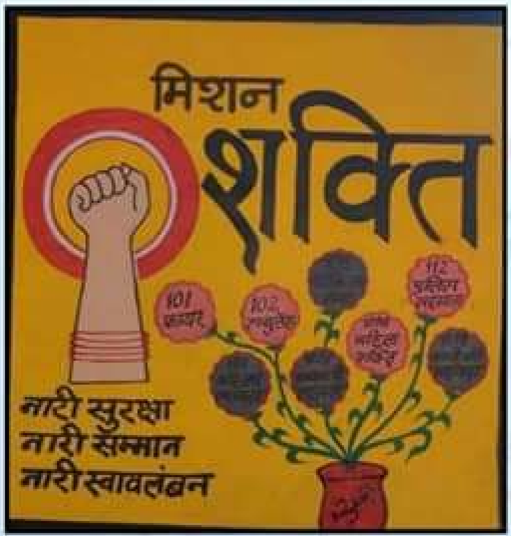

कुछ नम्बर तुम रखना ध्यान,
बनेगा जीवन बड़ा आसान।
मुश्किल समय में काम यह आएँ,
कठिन जीवन को सफल बनाएँ।।

अगर मुसीबत में पड़ जाओ,
1098 पर काल लगाओ।
महिला उत्पीड़न हटाना है,
1090 पर फोन लगाना है।।

हिंसक घटना जब बन्द होगी,
महिला सुरक्षित तब होगी।
108 पर कॉल लगाओ,
एम्बुलेंस सेवा तुरन्त ही पाओ।।

181 को याद करो,
पुलिस सहायता प्राप्त करो।
इन नम्बरों को रट डालो,
सुरक्षित जीवन अपना लो।।

रचना-
मोना शर्मा (स० अ०)
कम्पोजिट विद्यालय- पूठी
किला परीक्षितगढ़, मेरठ

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

शिक्षक का सम्मान

दिनाँक- 03-05-2021

2019

दिन- सोमवार

प्रकृति है अनमोल धरोहर

धरती से अम्बर तक देखो,
रंगों का बाजार सजा है।
सूरज चाँद सितारे जगमग,
जुगनू का संसार सजा है।।

पीला सूरज, नीला नभ है,
श्वेत बादलों का टोला।
हरे वृक्ष और हरी घास में,
जग और जन-जीवन डोला।।

कई रंग लेकर पंखों में,
मोर दे रहा सबको मात।
नीला सागर उछल-उछल कर,
कह देता है अपनी बात।।

चाँदी जैसा चमचम चँदा,
शीतलता का दान करे।
प्रकृति है अनमोल धरोहर,
सब मिलकर गुणगान करें।।

रचना
दीपा गुप्ता (स० अ०)
प्राथमिक विद्यालय बराखेमपुर
बीकेटी, लखनऊ

शिक्षा का उत्थान मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान

आओ हाथ से हाथ मिलायें बेसिक शिक्षा का मान बढायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

शिक्षक का सम्मान

दिनाँक 03/05/2021

दिन सोमवार

2020

'आलू राजा'

आलू राजा बड़े मस्त हो,
चुस्ती में भी जबरदस्त हो।
सबके मन को भाते तुम,
सब्जी के राजा कहलाते तुम।।

बिन तुम्हारे सब्जी लगे अधूरी,
बने रोटी, पराँठा या फिर पूरी।
हर सब्जी के दोस्त हो तुम,
उपवास के सच्चे साथी तुम।।

बताओ भिण्डी से क्यों रूठे?
कटहल से तुम बात ना करते।
क्या यह दोनों मित्र हैं झूठे?
जो तुम इनसे दूर ही रहते।।

मीठा होता आलू का हलवा,
हैरान हूँ देखकर तुम्हारा जलवा।
रहते हो तुम भूमि के अन्दर,
फिर भी हो सब्जी के सिकन्दर।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

रचना-

प्रतिमा पोद्दार (स० अ०)
प्रा० वि० मनोहरपुर कायस्थ
लोधा, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

शिक्षक का सम्मान

दिनाँक- 03.05.2021

2021

दिन-सोमवार

श्रमिक का श्रम

श्रम से जग का श्रृंगार हुआ,
श्रम हीन कहो कब पार हुआ।
श्रम करता है तन को कुन्दन,
श्रम से होता मन भी चन्दन।।

गुणगान करूँ मैं श्रमिक का,
जो कारण है जग के सुख का।
अन्न नाज उगे जब खेतों में,
तब राहत पहुँचे सब पेटों में।।

खनता वह है जब खानों में,
चमके मुरकी तब कानों में।
बनती सड़कें सब काम चलें,
उनके बल ही भवनादि बनें।।

श्रम ही पूजा है श्रमिक की,
बिन श्रम आश फली किसकी।
जय हो भारत के श्रमिक की,
तब ही जय है मम भारत की।।

रचना-
विजय प्रकाश रतूड़ी (प्र0अ0)
रा० प्रा० वि० ओडाधार
ब्लॉक-भिलंगना, टिहरी गढ़वाल

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

आओ हाथ से हाथ मिलायें बेसिक शिक्षा का मान बढायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

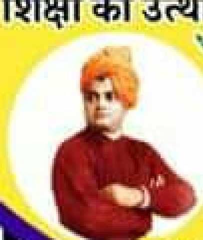

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक 03/05/2021

दिन सोमवार

2022

सूर्य

सूर्य है जीवन का आधार,
इसमें है ऊर्जा अपार।
है एक प्रबल प्राकृतिक संसाधन,
मिलती जिससे गर्मी, चलता जीवन।।

सूर्य ही जलचक्र है बनाता,
वायुमण्डल में वायु प्रवाह को लाता।
नियन्त्रित करता है यह जलवायु को,
भोजन के लिए ऊर्जा देता पौधों को।।

नमी, सीलन को दूर है करता,
गीले कपड़ों को है सुखाता।
सूर्य से मिलता हमें विटामिन डी,
होती जिससे मज़बूत हड्डीयाँ सभी।।

सूर्य निकले उजाला हो जाए,
धरती से अँधियारा मिट जाए।
पशु-पक्षी, जन में चेतना आ जाए,
मिलकर गीत सभी खुशी के गाएँ।।

रचना:
रूखसाना बानो (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय अहरौरा
जमालपुर, मिर्ज़ापुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक-11-05-2021

2023

दिन- मंगलवार

राम-नाम

राम से बड़ा राम का नाम,
राम बनाए बिगड़े काम।
राम नाम की माला फेर,
राम में शामिल चारों धाम।।

राम की महिमा अपरम्पार,
राम ही है जग का आधार।
राम का नाम जपले तू,
राम करेगा बेड़ा पार।।

राम जी समस्या बहुत बड़ी,
राम जी आई विकट घड़ी।
राम जी अब तो सुनलो तुम,
राम जी परीक्षा बहुत कड़ी।।

राम ही हैं मेरा जीवन,
राम ही हैं मेरा मरण।
राम नाम का कर पूजन,
राम की ले लो अब शरण।।

रचना
हेमलता गुप्ता (स०अ०)
प्रा 0वि0मुकन्दपुर
लोधा,अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

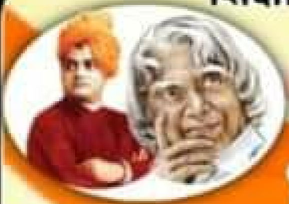

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 11/05/2021

2024

दिन- मंगलवार

क्षमा प्रार्थना

जाने कैसी हवा चली है,
चारों ओर हाहाकार मची है।
कोई नहीं हँसता दिखता अब,
अश्कों से हर आँख भरी है।।

हे प्रभु! अब तो दया करो,
हम सबको पाप मुक्त कर दो।
यह जीवन जो आपने दिया था,
इस जीवन को प्रभु बचा लो।।

प्रकृति से जो हमने छेड़छाड़ की,
उसी प्रकृति ने आज सज़ा दी।
जो वायु थी कभी सर्वव्यापी,
वो प्राणदायिनी भी खत्म कर दी।।

झोली में दया का प्रसाद भर दो,
दिलों में भरा अवसाद नष्ट कर दो।
हमारे कष्टों का विनाश कर दो,
हे प्रभु! हमें क्षमा कर दो।।

रचना-
स्नेहलता (स०अ०)
प्रा० वि० नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक-11/05/2021 **2025** दिन- मंगलवार

मोर

मोर हमारे देश का राष्ट्रीय है पक्षी,
सुन्दर दिखता है लेकिन साँपों का है भक्षी।
नाच दिखाकर सबके मन को हर लेता है,
जंगल में भी मंगल करके खुश होता है।।

सतरंगी है सुन्दर-सुन्दर पँखों वाला,
देख घटा को नाचे होकर ये मतवाला।
सौम्य-शान्त है यह पक्षी तो बड़ा निराला,
लगता सबको प्यारा बिल्कुल भोला-भाला।।

वाहन है श्री कार्तिकेय का उनके रहता साथ,
और सजे ये मोरपंख श्री कृष्णा के माथ।
गोल, हरे, नीले चित्रों से इसका तन दिखता रंगीला,
सिर पर सुन्दर कलगी इसको करती है चटकीला।।

जब छाए बदली तो घटा संग मोर बड़ा हरषाए,
झूम-झूम कर मस्त मगन होकर ये नाच दिखाए।
भारत की गरिमा और शौर्य को मोर सदा बतलाता,
हर भारतवासी के पराक्रम को है मोर दिखलाता।।

रचना
शिखा वर्मा (इं०प्र०अ०)
उ० प्रा० वि० स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 11/05/2021 **2026** दिन- मंगलवार

प्यारा सूरज

हँसकर रोज जगाया करता सबको प्यारा सूरज,
दाने चिड़ियों को दिलाता रोज प्यारा सूरज।
बड़े सबेरे सोने जैसा लगता बालक भोला,
तेज दौड़ने लगता है फिर बना आग का गोला।।

शाम डूबने से पहले मन झिलमिला सा हो जाता,
जाते-आते ही अम्बर को आशा से रंग जाता।
सूरज सिखलाया है हमको बड़े सबेरे उठना,
प्यार भरे नन्हे फूलों सा हँसते-गाते खिलना।।

पूरे काम करो दिन भर के कभी न छोड़ो कल पर,
सूरज सिखलाता है पक्षी सा चलते रहो उम्रभर।
सूरज बिना सब ओर अँधेरा लगता सब कुछ फीका,
तभी तो कहते सूरज जीवन है धरती का।।

बीरा नेगी (स०अ०)
रा० प्रा० वि० त्यूणा
देवप्रयाग, टिहरी गढ़वाल

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक-11.05.2021 | 2027 | दिन- मंगलवार

चटपटी चाट

चाट-पकौड़ी दही के भल्ले,
आज तो हो गई बल्ले-बल्ले।
जम कर खायेंगे दही-पापड़ी,
बाद में मिलेगी सबको रबड़ी।।

गोल-गोल पानी के बताशे,
दही चटनी के नरम बताशे।
गरम-गरम आलू की टिकिया,
उस पर डाली हरी-हरी धनिया।।

घर के बाहर नहीं है जाना,
घर में ही सब मौज मनाना।
समोसे, टिकिया, आलू-चाट,
सब मिल कर पेट भर खाना।।

लेकिन पेट का रखना खयाल,
हो जाए न फिर कोई बवाल।
चटपटी चाट का मजा निराला,
जो खाए हो जाए मतवाला।।

रचना

डॉ० नीतू शुक्ला(प्र०अ०)

मॉडल प्राइमरी स्कूल बेथर 1

सिकन्दरपुर कर्ण, उन्नाव

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 12.05.2021 **2028** दिन- बुधवार

संवेदनशीलता

इन्सानों के अन्दर एक,
बहुत बड़ा भाव होता है।
संवेदनशीलता के नाम से,
उसको जाना जाता है।।

जिस इन्सान के अन्दर,
यह भाव नहीं पनपता है।
सही मायने में वह इन्सान,
सच्चा इन्सान ही नहीं होता है।।

संवेदनशीलता भाव से ही,
हम एक दूसरे से जुड़ते हैं।
दूसरे के सुख-दुःख भी अपने,
सुख-दुःख जैसे ही लगते हैं।।

इस भाव को हमें कभी नहीं,
अपने मन से मिटाना चाहिए।
प्रकृति के प्रत्येक घटकों से,
सदा संवेदनशील होना चाहिए।।

रचना- माला सिंह (स०अ०)
क० वि० भरौटा
वि० क्षेत्र- सरधना, मेरठ

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 12-05-2021 | 2029 | दिन- बुधवार

महानायक भाग-2 अम्बेडकर जी

छुआछूत को मिटाकर,
ऊँच-नीच से मुक्ति दिलाए।
सन्तान सभी ईश्वर की हैं,
फिर क्यों अन्तर हो जाए।।

संविधान का निर्माण किया
सबको अधिकार दिलाए।
रहे न वंचित कोई जन,
सबका विकास हो जाए।।

नारी को भी शिक्षित करने की,
सबसे बात उठायी।
पढ़ी लिखी हो हर नारी,
ऐसी दिशा दिखायी।।

भारत रत्न सम्मान मिला,
सम्मान का मान बढ़ाए।
कृतज्ञ है देश हमारा,
महापुरुष की गाथा गाए।।

रचना- प्रतिमा उमराव (स०अ०)
उच्च प्रा०वि०अमौली (1-8)
अमौली, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक-12/05/2021

2030

दिन- बुधवार

ईश्वर प्रार्थना

आओ! हम सब करे प्रार्थना,
ईश्वर के चरणों की आराधना।
विपत्ति आन पड़ी हम सब पर भारी,
दया करो हे दयानिधि दुःखहारी।।

चारों ओर फैला अन्धकार है,
हर क्षण फैल रही महामारी।
चारों ओर है संकट भारी,
खतरे में है मानवता सारी।।

सब करते हैं वन्दना तुम्हारी,
अब तो विपत्ति दूर करो हमारी।
जीवन का दे दो प्रभु वरदान,
तड़प रहा है हर इन्सान।।

सुन लो पुकार अब प्रभु हमारी,
दूर करो प्रभु यह महामारी।
हम सब करते हैं विनती तुम्हारी,
दूर करो प्रभु यह संकट भारी।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

रचना-
मृदुला वर्मा (स० अ०)
प्रा० वि० अमरौधा- प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक-12-05-2021

2031

दिन- बुधवार

स्कूल के लिए बच्चे के भाव

अभी-अभी स्कूल खुले थे,
इतनी जल्दी हो गए बन्द।
सूनी गलियाँ, सूने चौबारे,
पाएँ तो पाएँ कहाँ से आनन्द।।

सजे, सँवरे स्कूल सलोने,
हमने खेले गणित खिलौने।
खूब सारे पोस्टर और सहज-पुस्तिकाएँ,
हम बस एक झलक ही देख पाएँ।।

सुबह की प्रार्थनाएँ याद आती हैं,
दीवारें भी तो हमसे बात करती हैं।
अपने मन की करें कहाँ बातें,
गतिविधियाँ करनी अच्छी लगती हैं।।

ऑनलाइन से हमारा मन ना भरता,
संग-साथ "मिड डे मील" स्वाद बढ़ाता।
नही ऐसा दिन कोई जब याद न आए,
तुम्हारे सिखाए हमने पाठ न दोहराए।।

रचना
प्रतिभा भारद्वाज (स०अ०)
पू०मा०वि० वीरपुर छबीलगढ़ी
जवाँ, अलीगढ़

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक-12.05.2021 **2032** दिन-बुधवार

समय की चाल

ना हार कभी मिल सकती है,
जब दुनिया समय से चलती है।
तो ना करो मन को उदास,
सफलता की राह निकलती है।।

इसको अपना दोस्त बना लो,
अपने को समय से चला लो।
समय ही बनाता, बिगाड़ता,
खुद को बरबादी से बचा लो।।

समय की चाल निराली है,
इसकी बात मतवाली है।
जो चला समय के अनुसार,
उसको मिली हरियाली है।।

समय होता बहुत कीमती है,
किस्मत भी इसी से बनती है।
चलो अनवरत सदा दोस्तों,
यहीं से राह निकलती है।।

रचना
भुवन प्रकाश (इं०प्र०अ०)
प्रा० वि० पिपरी
मिश्रिख, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक-12.05.2021

2033

दिन- बुधवार

माँ

माँ कोई साधारण शब्द नहीं,
आत्मा से निकला स्वर है।
आत्मा में बसते परमात्मा,
बस माँ ही परमात्मा का घर है।।

इस काया को गढ़ा है जिसने,
उस देवी का नाम माँ है।
निस्वार्थ भाव से सँवारा है,
तभी माँ के चरणों में दो जहाँ हैं।।

माँ ने मुझे आँचल की छाँव दी,
झूले के रुप में ममता की बाँह दी।
मीठी-मीठी प्यारी लोरी सुनायी,
गमों को भूलकर मेरे लिए गुनगुनायी।।

माँ तुम्हारे कहे हर शब्द, कानों में गूँजते हैं।
बार-बार माँ प्रश्न ये पूछते हैं।
क्यों जीवन में माँ जैसा कोई नहीं होता,
क्यों माँ के बिना जीवन अधूरा रहता।।

रचना-
अनीता जोशी (स०अ०)
रा० उ० प्रा० वि० तिमली,
नरेन्द्र नगर, टिहरी गढ़वाल

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 13/05/2021

2034

दिन- गुरुवार

समय

विपदा का समय है यह,
यह समय भी गुजर जाएगा।
पर इतिहास के पन्नों में,
यह दर्द अपने दे जाएगा।।

टूट जाएँगे वे जिनकी,
विश्वास की डोर है कमजोर।
खड़े वो ही रह पाएँगे,
जिनकी पक्की है आस्था की डोर।।

मानो या ना मानो लेकिन,
समय बड़ा बलवान है।
कितने मिल गए धूल में,
जो बन गए खुद में महान है।।

समय कठिन है लेकिन,
यह समय भी गुजर जाएगा।
लेकिन कितनों को अपनों से,
बिछुड़ने का दर्द दे जाएगा।।

रचना-
भावना शर्मा (प्र०अ०)
प्रा० वि० नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

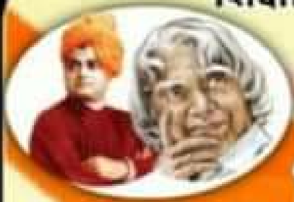

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 13/05/2021 | **2035** | दिन- गुरुवार

'सूरज भैया'

सूरज भैया तुम्हें नमस्ते,
सुबह ही आ जाते तुम हंसते।
तुम से ही रोशन है ये जग,
तुम बताते कहाँ रखूँ मैं ये पग।।

तुम ना आते तो होता अँधेरा,
देख ना पाते हम कुछ भी।
भूतों का फिर होता डेरा,
बच्चे डर से करते ना कुछ भी।।

विटामिन 'डी' देते हो तुम,
ऊर्जा का स्रोत भी हो तुम।
वृक्षों को जीवन है मिलता,
फल-फूल तुम्हीं से खिलता ।।

जो तुम मेरे पास ना होते,
सोचो कितना मैं डर जाता।
हम बच्चे घर में ही रहते,
खेलने बाहर ना मैं जाता।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

रचना-

प्रतिमा पोद्दार (स०अ०)
प्रा० वि० मनोहरपुर कायस्थ
लोधा, अलीगढ़

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक-13.05.2021 **2036** दिन- गुरुवार

तुम आशा दीप जलाओ

सच है जब अँधियारा छा जाता,
भय का भ्रम का जाल बिछाता।
विस्मय होता, संशय मन में आता,
फिर भी पंथी पथ चलता जाता।।

जो साहस निज का नहीं मिटाता,
पल-पल आशा का दीप जलाता।
भला अँधेरा रोक उसे कब पाता?
चलते-चलते विजय वही है पाता ।।

जो भय से बैठेगा फिर वह हारेगा,
पथ की मुश्किल कौन यहाँ टारेगा?
जीत तुम्हें यदि पाना, तो चलना है,
बनकर दीप तुम्हें उजियारा भरना है।।

आज यहाँ अँधियारा हमें डराता,
भय से भरा हुआ पथ दिखलाता।
पर हार न मानो तुम इतिहास बताता,
हर एक सबेरा नया यहाँ है आता।।

रचना
सतीश चन्द्र (प्र०अ०)
प्रा० वि० अकबापुर
पहला, जनपद- सीतापुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक-13.05.2021

2037

दिन- गुरुवार

पहेलियाँ बूझो जानवर पहचानो

जंगल का राजा कहलाता,
बड़े शान से जीवन जीता।
दहाड़ से इसकी सब डर जाते,
आस पास फिर नजर न आते।।

शेर (Lion)

एक जानवर ऊँचा लम्बा,
दो पैरों पर चलता है।
पेट पर अपने बाँधे थैली,
कूद-कूद कर चलता है।।

कंगारू(Kangaroo)

घर की रखवाली है करता,
सभी से प्यार ये है करता।
चोर-लुटेरे पास न झाँकें,
घर को सुरक्षित इतना करता।।

कुत्ता (Dog)

बच्चों की मौसी कहलाती,
म्याऊं-म्याऊं आवाज लगाती।
दूध और रोटी प्रेम से खाती,
बच्चों के मन को है भाती।।

बिल्ली (Cat)

रचना -
डॉ० नीतू शुक्ला (प्र०अ०)
मॉडल प्राइमरी स्कूल बेथर 1
सिकंदरपुर कर्ण, उन्नाव

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 13.05.2021 **2038** दिन- गुरुवार

माँ

माँ एक ध्वनि माँ चमन,
माँ ईश्वर का रूप है।
माँ एक जीवन माँ संगीत,
माँ जीवन का प्रतिरूप है।।

जब मैं इस जगत में आयी,
मेरे रुदन से ये ध्वनि आयी।
जब भी मैंने ठोकर खायी,
होंठों से माँ! माँ! की आवाज आयी।।

तेरी ममता की छाँव में,
तेरी मुस्कान की ठाँव में।
तेरे जीवन की लगन में,
मेरी उस कठिन डगर में।।

जीवन के हर विप्लव में,
ताजगी की तरलता बनकर।
मेरे जीवन की सफलता बनकर,
बचपन की यादों में तू फिर लौटआयी।।

रचना
अंजलि डुडेजा (स०अ०)
रा० प्रा० वि० नौगाँव-2
ब्लॉक-कल्जीखाल
पौड़ी गढ़वाल

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक-14.05.2021

2039

दिन- शुक्रवार

गुड़िया रानी

मेरी छोटी सी गुड़िया,
सपनों की है पुड़िया।
चिड़िया को रोज बुलाती है,
मीठे सपनों में सुलाती है।।

रंग-बिरंगी तितलियाँ,
फूलों पर मंडराती हैं।
गुड़िया रानी पीछे भागे,
उनको छू ना पाती है।।

सूरज की तेज रोशनी,
गुड़िया को तपाती है।
हरे-भरे पेड़ों की छाँव,
उसे खूब सुहाती है।।

प्रभु गुड़िया के पंख लगा दो,
गुड़िया को भी सैर करा दो।
चन्दा से ये बाते कर आये,
तारों को जमीं पर लाये।।

रचनाकार
ऊषा रानी (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय खाता
वि० क्षेत्र- मवाना, मेरठ

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 14/05/2021

2040

दिन- शुक्रवार

ABCD गीत- भाग-1

'ए' फॉर एप्पल मैं हूँ खाता,
'बी' फॉर बॉल खेलने जाता।।
'सी' फॉर कैट से मैं डर जाता,
'डी' फॉर डॉग है मुझको भाता।।

'ई' फॉर ऍग मुर्गी से मिलता,
'ऍफ' फॉर फैन हवा मुझको देता।
'जी' फॉर गन से गोली चलाता,
'ऍच' फॉर हैन को दाना मैं देता।।

'आइ' फॉर इंक से कॉपी पे लिखता,
'जे' फॉर जग में पानी हूँ भरता।
'के' फॉर काइट भी मैं उड़ाता,
'ऍल' फॉर लैम्प उजाला है करता।।

रचना-
श्रीमती पूनम गुप्ता "कलिका"
(स०अ०) प्रा० वि० धनीपुर,
धनीपुर, जनपद अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 14-05-2021

2041

दिन- शुक्रवार

बेसिक शिक्षा का मूलमन्त्र

मूलमन्त्र बेसिक शिक्षा का,
चल रहा मिशन शिक्षण संवाद।
अनवरत ऊँचाई पर जाता है,
इसका नहीं कोई अपवाद ।।

हो शिक्षा का उत्थान और,
शिक्षक का बना रहे सम्मान।
उद्देश्य इसका मूल यही है,
स्वयंसेवी संगठन है महान।।

परिवेश, पढ़ाई, प्रचार, पावर,
शैक्षिक संगठन के हैं प्रमुख कार्य।
आजाद भारत के परिन्दे हैं हम,
जो कलम की ताकत से साकार।।

बेसिक शिक्षा के उत्कर्ष में,
अनवरत रहता है गतिमान।
कटिबद्ध है हर शिक्षक का ग्रुप,
पाने को अन्तिम पायदान।।

मिशन शिक्षण संवाद

रचना
बी० डी० सिंह (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय मदुरी
खजुहा, फतेहपुर

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 14-05-2021

2042

दिन- शुक्रवार

सुनो भगवन

करें विनती सुनो भगवन,
हम तेरे द्वार आए हैं।
व्यथा अपनी सुनाने को,
हम तेरे द्वार आए हैं।।

सृष्टि तेरी है घबरायी,
ना जाने कैसी ऋतु आयी?
करो चमत्कार हे भगवन,
हम तेरे द्वार आए हैं।।

संकट की घड़ी आयी,
मौत चहुँ ओर इठलायी।
बचा लो हमको हे भगवन,
हम तेरे द्वार आए हैं।।

हमने अपनों को खोया है,
बहुत ये दिल भी रोया है।
सुकून दे दो हमें भगवन,
हम तेरे द्वार आए हैं।।

रचना
सपना (स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय उजीतीपुर
भागयनगर, औरैया

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक-14/05/2021

2043

दिन-शुक्रवार

दो का पहाड़ा

एक राजा के दो महलों में,
चार रानियां रहती थीं।
छ: पन्नों की रोज कहानियाँ
आठ बार वह पढ़ती थीं।।

2 × 1 = 2
2 × 2 = 4
2 × 3 = 6
2 × 4 = 8
2 × 5 = 10
2 × 6 = 12
2 × 7 = 14
2 × 8 = 16
2 × 9 = 18
2 × 10 = 20

दस बजे राजा के संग,
वे बारह शेर मारती थीं।
चौदह कोस यात्रा करके,
सोलह आने दान करती थीं।।

अठ्ठारह घण्टे प्रतिदिन,
मेहनत करके जो हैं पढ़ते।
बीस का गुणा पाँच से करके,
पूरे सौ के सौ अंक हैं पाते।।

रचना

अभय प्रताप सिंह (स०अ०)
क० वि० पकरिया भटपुरवा
हरगांव, सीतापुर

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक-14.05.2021 | 2044 | दिन- शुक्रवार

बैशाखी का त्यौहार

आज बैसाखी का त्यौहार,
लेकर आया खुशियों की बहार।
देखो फुल्यारी घर-घर जाए,
देहरी घर की फूलों से सजाए।।

पापड़ी तल गई, पूरी बन गई,
हर घर में फुल्यारी आ गई।
फुल्यारियों का हुआ सत्कार,
पूजा-अर्चना हुई साकार।।

हरिद्वार में कुम्भ का मेला,
गंगा स्नान है अलबेला।
श्रद्धा-भक्ति मन में लिए,
श्रद्धालुओं का उमड़ा रैला।।

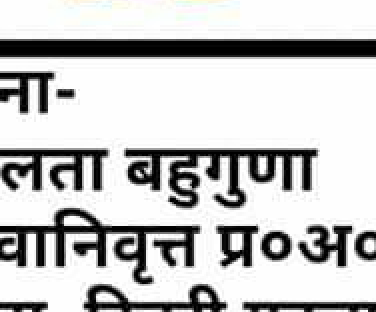

कोई कुम्भ नहाने जाए,
कोई घर त्यौहार मनाये।
हँसी-खुशी का यह त्यौहार,
धन-धान्य से भर दे घरबार।।

रचना-
हेमलता बहुगुणा
(सेवानिवृत्त प्र०अ०)
चम्बा, टिहरी गढ़वाल

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक-15/05/2021

2045

दिन- शनिवार

गैस लीकेज

रसोई गैस जब लीक हो जाए,
चहुँ ओर गन्ध फैल जाए।
माचिस लाइटर नहीं जलाना,
स्विच बोर्ड ना हाथ लगाना।।

झट खिड़की, दरवाजा खोलो,
गैस को तुरन्त ही बाहर निकालो।
आग अगर उसमें लग जाए,
समझ तुम्हारे कुछ ना आए।।

पानी से ना उसे बुझाना,
मोटा कपड़ा उस पर डाल आना।
रेत, मिट्टी पास में रखते हो,
वह भी उस पर डाल सकते हो।।

L.P.G. का लीकेज हेल्पलाइन नम्बर,
प्यारे बच्चों! भूल ना जाना।
1906 पर तुरन्त ही जाकर,
प्यारे बच्चों! फोन लगाना।।

रचना-
मोना शर्मा (स०अ०)
क० वि० पूठी
परीक्षितगढ़, मेरठ

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 15/05/2021 **2046** दिन-शनिवार

नेक इन्सान बनें हम

एक नेक इन्सान बनें हम,
न पीड़ा दें, न पीड़ा सहें हम।
कोमल मन करें, हृदय निर्मल,
प्रेम की धार सदा बहाएँ हम।।

निश्चल, न्यायप्रिय, दयावान बन,
सबके भावों को समझें हम।
जात-पात ये भेद-भाव की,
बातें कुछ भी न जानें हम।।

सबको प्रेम से गले लगा लें,
ईर्ष्या-द्वेष को त्यागें हम।
मीठे बोलों की मिश्री घोलें,
सबके चित्त को भायें हम।।

अच्छे कर्म करें इस जग में,
बुरा किसी का न विचारें हम।
लघु दीपक भी अन्धकार मिटा दे,
समाज में यह सन्देश बिखेरें हम।।

रचना
रश्मि शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० विशुननगर
खैराबाद, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 15/05/2021

2047

दिन- शनिवार

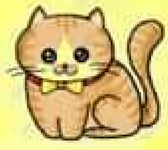

छोटू चूहा

एक बार बूढ़े चूहे ने,
सब चूहों से पूँछा?
बच्चों! जरा देखकर आओ,
क्या पूरा घर छूँछा?

छोटू चूहा पूँछ दाबकर,
बिल के बाहर झाँका।
फिर थोड़ा बाहर आकर के,
इधर-उधर भी ताका।।

बिल्ली कहीं नहीं दिखती थी,
घर पूरा था खाली।
हँसा जोर से छोटू चूहा,
और बजाया ताली।।

उछल-कूद कर रौब जमाकर,
तनकर बिल में आया।
मैंने बिल्ली मार भगायी,
मूँछ ऐंठ बतलाया।।

रचना
रामचन्द्र सिंह (स०अ०)
प्रा० वि० जगजीवनपुर द्वितीय
ऐरायां, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 15-05-2021 | 2048 | दिन- शनिवार

प्रार्थना

दिन-रात लूँ नाम तुम्हारा,
प्रभुवर ऐसी भक्ति दो।
सरल बने मेरा जीवन,
मुझमें ऐसी शक्ति भर दो।।

नहीं सताऊँ किसी जीव को,
ऐसा प्रभु मुझको वर दो।
"सत्य मेव जयते" ही गाऊँ,
मुझमें ऐसा स्वर भर दो।।

सेवा का हो भाव सदा,
क्षमाशीलता हृदय में लाऊँ।
कोई नियम ना टूटे मेरा,
ऐसी दृढ़ता मन में लाऊँ।।

जीवन की अन्तिम सांसों तक,
सबसे समता भाव रखूँ।
याद रहे प्रभु नाम आपका,
चरणों का ही भक्त रहूँ।।

रचना -
अनुपमा जैन (स० अ०)
पू० मा० वि०- मौहकमपुर
इगलास, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक-15.05.2021

2049

दिन- शनिवार

माँ

अंगुली पकड़कर जिसने चलना सिखाया,
अपने आँचल की छाया में हरपल सुलाया।
जीवन को सफल जीने लायक बनाया,
वह कौन है? बस सिर्फ वह है माँ, माँ और माँ ।।

हमें हर पल गिरने से है बचाया,
दुनिया के साथ हर पल जीना सिखाया।
गमों को छुपा दुनिया के संग जीना सिखाया,
वह कौन है? बस सिर्फ वह है माँ, माँ और माँ।।

हमारी हर इच्छा को साकार बनाया,
पढ़ा लिखाकर काबिल बनाया।
आज का स्वर्णिम भविष्य बनाया,
वह कौन है? बस सिर्फ वह है माँ, माँ और माँ।।

आज जो मिला है सब तेरा दिया है,
बस तूने ही तपकर इस लायक बनाया है।
आज जो कुछ भी है सब तेरा है माँ,
वह कौन है? बस सिर्फ माँ, माँ और माँ।।

रचना- देवेश्वरी सेमवाल (स० अ०)
रा ०उ ०प्रा०- कान्दी
ब्लॉक- अगस्त्यमुनि
रुद्रप्रयाग

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 17/05/2021 **2050** दिन- सोमवार

सकारात्मक सोच

जिन्दगी के असली सत्य को,
हमें मन से स्वीकारना चाहिए।
जिन्दगी के किसी भी मोड़ पर,
हमें कभी ना घबराना चाहिए।।

सुख भी आएँगे जीवन में,
दु:ख भी आएँगें जीवन में।
धूप और छाया के साए,
हरदम आयेगें जीवन में।।

अपने हर पल के चिन्तन,
कर्म का आँकलन करना है।
जो भी भूल हो गई है भूले से,
उस भूल को भी सुधारना है।।

हर पल हमें आनन्द की,
अनुभूति करनी चाहिए।
सकारात्मक सोच बनाकर,
क्रिएटिविटी करनी चाहिए।।

रचना-
माला सिंह (स०अ०)
क० वि०- भरौटा
सरधना, मेरठ

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

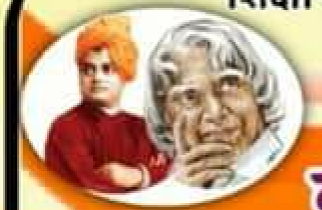

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 17/05/2021

2051

दिन-सोमवार

धैर्य

धैर्य को साधकर ,
तुम चलोगे अगर।
राह की मुश्किलें,
हो जाएँगी बेअसर।।

धैर्य को साथ लेकर,
तुम पढ़ोगे अगर।
तीक्ष्ण होगी नज़र,
बुद्धि होगी प्रखर।।

धैर्य में है छिपी,
ऐसी शक्ति प्रबल।
जो निर्बल को भी,
है बनाती सबल।।

धैर्य से ही तो,
अंकुर बने हैं फसल।
धैर्य से ही तो,
हर काम होता सफल।।

रचना
प्रसन्नता रस्तोगी (स०अ०)
प्रा० वि०भगवानपुर
मिश्रिख, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक-17/05/2021 | 2052 | दिन- सोमवार

गुरु की महिमा

आओ मिलकर शीश झुकाएँ,
ज्ञान के हम दीप जलाएँ।
प्रणाम गुरु को करती हूँ,
जिनसे शिक्षा पायी है।।

छोटी सी बगिया के फूल थे हम,
पानी देकर बड़ा किया।
वहीं से नाचे-झूमे हम,
वहीं से खेले-कूदे हम।।

वहीं पड़ी है डाँट-फटकार,
जीवन में आयी काम वही है।
वन्दना करती हूँ उन चरणों में,
जिनसे शिक्षा पायी है।।

गुरु हौसले की उड़ान हैं,
गुरु जिन्दगी की पहचान हैं।
नमन करती हूँ उन गुरुओं को,
जिनसे शिक्षा पायी है।।

🙏रचना:-
इन्दु भट्ट (स० अ०)
रा० प्रा० वि० रतनगढ़
जखोली, रुद्रप्रयाग

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक-17.05.2021

2053

दिन- सोमवार

जीवन सन्देश - योग

योग करो तन को निरोग करो,
शरीर को अपने स्वस्थ करो।
स्वस्थ शरीर मस्तिष्क भी स्वस्थ,
तन-मन अपना कर लो स्वस्थ।।

तरह-तरह के आसन और विधियाँ,
अपनाओ और कर लो शुद्धियाँ।
प्राणवायु को अंदर खीचों,
साँसों में अमृत को भर लो।।

चुस्त रहे तन और स्वस्थ दिमाग,
ऊर्जा इतनी संचित कर लो।
प्राणायाम है एक योग अनोखा,
तनमन रखे ये अपना चोखा।।

योग है एक आध्यात्मिक प्रक्रिया,
शरीर व आत्मा को एक करने की क्रिया।
विभिन्न ग्रन्थों और धर्मों में है वर्णित,
शास्त्रों में भी महिमा है उल्लेखित।।

रचना
डॉ० नीतू शुक्ला (प्र०अ०)
मॉडल प्राइमरी स्कूल बेथर 1
सिकंदरपुर कर्ण - उन्नाव

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

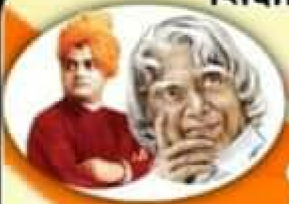

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 18/05/2021

2054

दिन- मंगलवार

हौंसला

हार जा, आँसू बहा,
ग़म में बेशक डूब जा।
पर अगले ही पल हो उठ खड़ा,
ज़िन्दगी से नज़रें मिला।।
जो हुआ, बस हो गया,
तिनका-तिनका आशियाँ बिखर गया।
रात है लम्बी-अन्धेरी,
आस का दीपक जला।।
जिस घड़ी कमज़ोर था मन,
क्षण वो अब गुज़र गया।
हौंसला तरकश में रख,
ग़म को अब कर दे विदा।।
जिन पलों को जी चुका,
वो थी कोई मरीचिका।
धुन्ध हट चुकी है कब की,
भोर का सूरज उगा।।

रचना-

स्नेहलता (स०अ०)
प्रा० वि० नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक-18/05/2021

2055

दिन- मंगलवार

भारत की फसलें

देश हमारा सोने की चिड़िया,
धरती स्वर्ण उगलती है।
शस्य-श्यामला फसलें सारी,
इस मिट्टी में उगती हैं।।

गेहूँ, चावल, ज्वार, बाजरा,
चना, जौ, मटर लहराते।
मक्का, दलहन खाद्य फसलें हैं,
खेतों में सब उपजाते।।

गन्ना, जूट, कपास और तिलहन,
नकदी फसलें कहलातीं।
रबड़, नारियल, चाय और कॉफी की,
खेती व्यवसायिक कहलाती।।

फल, सब्जियों की खेती को,
हम बागवानी कर लगाते।
सूखे मेवे और मसाले भी,
किसान लोग ही उगाते।।

रचना
शिखा वर्मा (इं०प्र०अ०)
उ० प्रा० वि० स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 18/05/2021

2056

दिन- मंगलवार

अपशिष्ट पदार्थ

जिनकी नहीं आवश्यकता, जिनको हम फेंक देते,
अनुपयोगी पदार्थ या अपशिष्ट पदार्थ हैं कहलाते।
ठोस, द्रव, गैस तीन रूप में ये पाये जाते,
घर, ऑफिस, कारखाने, अस्पताल से निकलते।।

इसको हम कचरा भी हैं कहते,
पर्यावरण के लिए ये हानिकारक हैं होते।
मनुष्य स्वाथ्य पर बुरा प्रभाव हैं डालते,
न हो निस्तारण तो भूमि को बंजर बना देते।।

*चार **R** को हम अपनाएँ,*
आस-पास कचरा ना फैलाएँ।
फेंके कोई तो उसे मना करें,
जितना हो सके कचरा कम करें।।

उपयोगी हो तो पुनः उपयोग करें,
देकर कबाड़ी वाले को पुनः निर्माण करें।
स्वच्छता-स्वास्थ्य में सहयोग करें,
स्वयं को, पर्यावरण को सुरक्षित रखें।।

रचना-
रूखसाना बानो (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय अहरौरा
जमालपुर, मिर्ज़ापुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 18/05/2021

2057

दिन- मंगलवार

शिक्षक

बच्चा स्कूल चला जब आता था,
माँ को याद करके आँसू बहुत बहाता था।
फिर प्यारी अध्यापिका ने,
प्यार से मुझे समझाया था।।

मैं भी तो माँ जैसी हूँ आदर्श की मिसाल बनकर,
बाल जीवन सँवारता शिक्षक सदा हँसकर।
सदाबहार फूल सा खिलकर,
महकता ओर महकाता जीवनभर।।

जीवन में दिया जो पहला ज्ञान,
उन्हें पहला प्रणाम करते यह जान।
आशा की जो किरण दिखायी,
साहस की नई राह दिलायी।।

आज खड़ा हूँ मैं जिस पथ पर,
सफलता के ऊँचे शिखर पर।
उस गुरु की महिमा अपरम्पार,
कर दिया मेरे जीवन में चमत्कार।।

रचना-
कु०दीपिका (छात्रा)
कक्षा- 8
रा० उ० प्रा० वि०-डोईवाला
ब्लॉक-डोईवाला, देहरादून

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक-18-05-2021 **2058** दिन- मंगलवार

परम मित्र कौन?

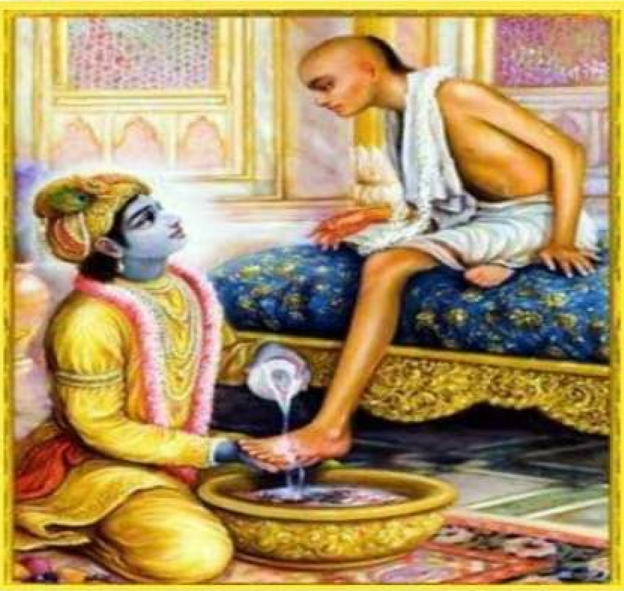

मित्र, रिश्ते हमारी सम्पदा घनी,
इनके बिना न बने हमारी जीवनी।
आपातकाल में भी साथ देते हैं,
खोयी साँसों को साध लेते हैं ।।

पर क्या ऐसा हो पाया है ?
सबने अपने को मजबूर पाया है ।
दो गज दूरी का जमाना आया है,
छूट रहा अपना भी साया है ।।

समय कब एक सा रहा है,
समय की एक लम्बी धारा है ।
जनम-जनम के मित्र को जान रे,
उसी ने भव सागर से पार उतारा है ।।

बिना स्वार्थ वो साथ निभाता,
वही एक परम मित्र है कहलाता ।
उसी से मिलती सबको संजीवनी,
खुशी के साथ होती फिर रवानगी ।।

रचना
प्रतिभा भारद्वाज (स०अ०)
पू०मा०वि० वीरपुर छबीलगढ़ी
जवाँ, अलीगढ़

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 19/05/2021 | 2059 | दिन- बुधवार

फल वैसा ही पाना है

कर्मों का लेखा-जोखा,
सबको यहीं निपटाना है।
जैसा कर्म करोगे बच्चों!
यहाँ फल वैसा ही पाना है।।

ये तेरा क्या? ये मेरा क्या?
लोभ का नहीं कोई पैमाना है।
खाली हाथ आए थे बच्चों!
खाली हाथ ही जाना है।।

धोखा, फरेब, पाप, बेईमानी,
झूठ का नहीं कोई ठिकाना है।
सत्य सदा विजयी हो बच्चों!
सत्य को ही अपनाना है।।

सद्गुण और नेक कर्मों के रथ का,
सारथी स्वयं को ही बनाना है।
गुणात्मक प्रतिफल मिलता बच्चों!
इस मार्ग पर बस चलते जाना है।।

रचना
रश्मि शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० विशुननगर
खैराबाद, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 19/05/2021

2060

दिन- बुधवार

ABCD गीत- (भाग-2)

'ऍम' फॉर मंकी पेड़ों पे चढ़ता,
'ऍन' फॉर नेस्ट में पंछी है रहता।
'ओ' फॉर आउल रातों में जगता,
'पी' फॉर पैरट राम-राम कहता।।

'क्यु' फॉर क्वीन राजा की रानी,
'आर' फॉर रेट बिलों में है रहता।
'ऍस' फॉर सन पूरब में उगता,
'टी' फॉर टाइगर जंगल में रहता।।

'यू' फॉर अम्ब्रेला पानी से बचाता,
'वी' फॉर वैन से मैं स्कूल जाता।
'डब्ल्यु' फॉर वॉच समय है बताती,
'ऍक्स' फॉर ऍक्समस ट्री में सजाता।।

'वाई' फार याक पहाड़ों में मिलता,
'जेड' फोर ज़ेब्रा ज़ू में है मिलता।
ए,बी,सी,डी का गाना जो गाता,
यूँ "ए-टू-जेड" मैं सीख जाता।।

रचना-
पूनम गुप्ता "कलिका"
(स०अ०) प्रा० वि० धनीपुर,
धनीपुर, जनपद अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 19.05.2021

2061

दिन- बुधवार,

बिटिया....

आसमान तक गयी है बिटिया,
इन पर निर्भर सारी दुनिया।
पढ़ने-लिखने से हम नहीं घबराते,
नामुमकिन को मुमकिन कर दिखाते।।

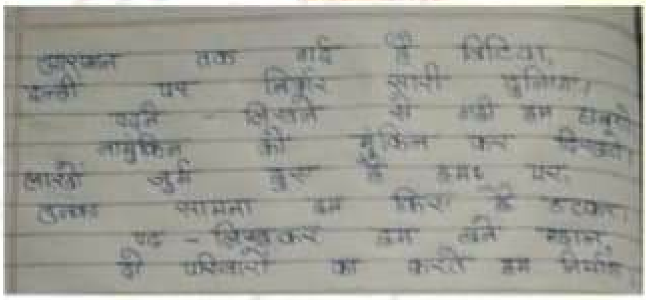

लाखों जुल्म हुए हैं हम पर,
उनका सामना हम किये हैं डटकर।
पढ़-लिख कर हम बनें महान,
दो परिवारों का करते हम निर्माण।।

रचना:- स्वाती केसरवानी (पूर्व छात्रा)
उ० प्रा० वि० चित्रवार
क्षेत्र- मऊ, जनपद- चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 19/05/2021 | 2062 | दिन- बुधवार

गंगा सप्तमी

बैशाख शुक्ल सप्तमी का दिन,
है माँ गंगा का जन्मदिन।
करें माँ गंगा की आराधना,
श्रद्धा सुमन अर्पित इस दिन।।
स्वर्ग लोक से आकर पहुँची,
शिव शंकर की जटाओं में।
गंगा जयन्ती के नाम से,
यह दिन प्रसिद्ध है कथाओं में।।
राजा भगीरथ नें तप करके,
माँ गंगा को प्रसन्न किया।
मैया ने फिर उन्हें स्वर्ग से,
धरा पर आने का वर दिया।।
वेग नहीं सह सकती थी धरा,
इसलिए शिव ने बाँध लिया।
माँ गंगा के वेग को इस दिन,
शिव ने जटाओं में थाम लिया।।

रचना-
भावना शर्मा (प्र०अ०)
प्रा० वि० नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 19-05-2021

2063

दिन- बुधवार

ईश वन्दना

मेरे मालिक मेरे दाता,
धैर्य हमको बंधा जाओ।
दया करके प्रभु हम पर,
कृपा थोड़ी बरसा जाओ।।

बड़ा विकट समय आया,
है हम पर मौत का साया।
बचाने संकट से हमको,
मेरे करतार आ जाओ।।

बना शमशान जग सारा,
करे त्राहिमाम जग सारा।
करने उद्धार हम सबका,
मेरे सरकार आ जाओ।।

क्षमा दे दो प्रभु हमको,
किये हैं पाप हमने जो।
जीवन दान हमें देने,
मेरे पालनहार आ जाओ।।

रचना
सपना (स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय उजीतीपुर
भाग्यनगर, औरैया

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 19.05.2021

2064

दिन- बुधवार

धरा की वेदना

धरती माँ तुम धैर्य की मूरत,
फिर हमसे तुम क्यों हो रूठी।
गंगा जल सी पावन हो तुम,
है सत्य बात माँ, नहीं ये झूठी।।
कहीं बीमारी, कहीं बादल फटना,
कहीं हिमखण्डों का गिरना भारी।
चहुँ ओर निराशा है माँ फैली,
क्षमा करो माँ, भूल हमारी।।
मेरे प्रश्नों को सुनकर के,
माँ नीर भरे नयनों से बोली।
बढ़ा धरती पर, जब पाप ये भारी,
तब-तब मेरी काया डोली।।
नदी नालों को पाट-पाट कर,
मानव ने नित भवन बनाये।
काट धरा के नव वृक्षों को,
सपनों के संसार सजाये।।
निज स्वार्थ हेतु जब भी मानव,
मेरा दोहन करता जायेगा।
क्षुधा कभी न मिट पायेगी,
मेरा रौद्र रूप ही देखेगा।।

रचना-
अनीता जोशी (स०अ०)
रा० उ० प्रा० वि० तिमली
ब्लॉक-नरेन्द्र नगर, टिहरी गढ़वाल

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 20/05/2021 **2065** दिन- गुरुवार

प्रकृति

प्रकृति को करें हम रोज प्रणाम,
तब जाकर ये होंगी शान्त।
हमने किया इन्हें बहुत परेशान,
इसलिए आज हो गयीं अशान्त।।

करें इन्हें हम दिल से धन्यवाद,
तभी होगा हमारा जीवन आबाद।
हमने किया इन्हें बहुत बर्बाद,
इसलिए आज बने ऐसे हालात।।

अब इन्हें मनाना है,
प्रकृति को सुन्दर बनाना है।
जब ये मुस्काएँगी,
जीवन में खुशियाँ आएँगी।।

प्रकृति तो ईश्वर का वरदान है,
इनसे ही हर जीवों में जान है।
सबको देती जीवन दान,
इन्हें करें दिल से प्रणाम।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

रचना
सुमन मौर्या (स०अ०)
प्रा० वि० डेरवाँखुर्द
चहनियाँ, चंदौली

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 20.05.2021

2066

दिन- गुरुवार

धैर्य

यही दिल की दुआ मेरी,
सलामत सब सदा होवें।
नहीं हिम्मत कभी हारें,
न अपने धैर्य को खोवें।।

ये मुश्किल दौर जो आया,
इसे भी एक दिन जाना।
रहेंगे न सदा ये दिन,
यही सबको है बतलाना।

मिला है हमको नर तन ये,
जो हर मुश्किल पे है भारी।
अकेलेपन से न कोई,
बड़ी जग में है बीमारी।।

रहो सब साथ में मिलकर,
अकेला न कोई छूटे।
बनो सबका सहारा तुम,
कोई अपनों से न रूठे।।

रचयिता
पूनम देवी (शि०मि०)
क० वि० मकनपुर
लहरपुर, सीतापुर

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ।

9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 20.05.2021

2067

दिन- गुरुवार,

.... पदार्थ की अवस्थाएँ ....

पदार्थ की हैं तीन अवस्थाएँ,
ठोस, द्रव और गैस बताएँ।
ठोस का होता निश्चित आकार,
जैसे बर्फ, ईंट, दीवार।।

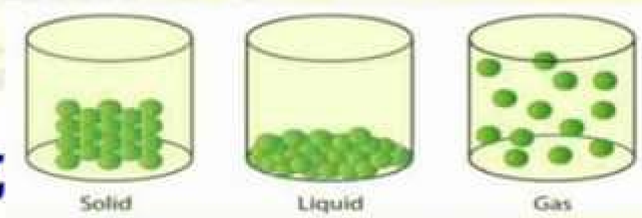

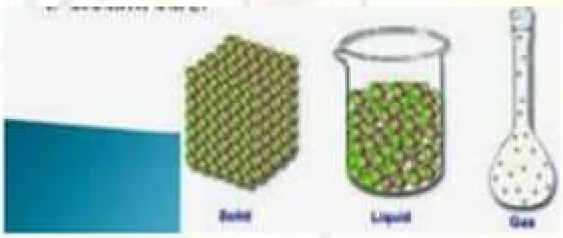

द्रव का होता आयतन निश्चित,
जैसे डीजल, तेल, दूध, स्प्रिट।
गैस में आते वायु, ऑक्सीजन,
इसका होता अनिश्चित आयतन।।

रचना :-
स्वाती केसरवानी (पूर्व छात्रा)
उ० प्रा० वि० चित्रवार
क्षेत्र- मऊ, जनपद- चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 20.05.2021 **2068** दिन- गुरुवार

मधुमक्खी दिवस

हर साल 20 मई को,
मधुमक्खी दिवस मनाते।
इनके संरक्षण के बारे में,
जागरूकता बढ़ाते।।

होती हैं बहुत लाभकारी,
बनाती हैं शहद गुणकारी।
बैक्टीरिया, वायरस नहीं छोड़ती,
नहीं फैलाती कोई बीमारी।।

पैरों में चिपकाकर परागकण,
एक फूल से दूसरे पर ले जाती।
फल, सब्जी, अनाज, उत्पादन,
में भरपूर योगदान हैं देती।।

पारिस्थितिकी तन्त्र का,
ये करती हैं सन्तुलन।
जैव विविधता का,
ये करती हैं संरक्षण।।

रचना- रीना (स०अ०)
प्रा० वि० सालेहनगर
वि० क्षेत्र- जानी, मेरठ

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 20-05-2021 **2069** दिन- गुरुवार

पेड़

धरती का श्रृंगार हैं पेड़ ,
शुद्ध हवा देते हैं पेड़ ।
जीवन की मुस्कान हैं पेड़,
हर प्राणी का आश्रय पेड़ ।।

प्रदूषण दूर भगाएँ पेड़,
मीठे फल खिलाएँ पेड़ ।
मेरे परम मित्र हैं पेड़,
आओ हम सब लगाएँ पेड़ ।।

पक्षियों का घर हैं पेड़,
वर्षा धूप से बचाएँ पेड़ ।
छाया औषधि देते पेड़,
जीवन में उपयोगी पेड़ ।।

बाढ़ का पानी रोकें पेड़,
घर बहने से बचाएँ पेड़ ।
ईंधन लकड़ी देते पेड़,
घर की शोभा होते पेड़ ।।

रचना
अनुपमा जैन (स० अ०)
पू० मा० वि०- मौहकमपुर
इगलास, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 20.05.2021

2070

दिन- गुरुवार

पेड़ों को बचा कर रखें कैसे

हे मानव तू मानव ही रह,
ईश्वर बनने की चाह में मत बह।
जब-जब तुझमें अभिमान घुला,
तब-तब शिव का तृतीय नेत्र खुला।।

केदारनाथ का रौद्र रूप तू,
इतनी जल्दी क्यों भूल गया।
रुद्रप्रयाग और चमोली में पानी,
कितनों को ही लील गया।।

अपने स्वार्थ के लिए हे मानव,
पेड़ों को देखता रहा तू कटते।
ऐसा कहर फिर देखो बरपा,
ऑक्सीजन को तू दर-दर भटके ।।

अब तो सम्भल जा हे मानव!
प्रकृति के प्रकोप से थोड़ा डर।
पेड़ों को बचा कर रखें कैसे ?
विज्ञान का उपयोग इसमें कर।।

रचना
अमिता क्वीरा (प्र०अ०)
रा० प्रा० वि० अमृतपुर
ब्लॉक- भीमताल, नैनीताल

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 21.05.2021

2071

दिन- शुक्रवार

सुबह सुनहरी

नदियों का शीतल जल,
मन्द-मन्द मुस्काए।
मुर्गे ने भी दे दी बाँग,
जोर-जोर से कुड़क कर।।

जागो बच्चों जागो बच्चों!
कहती मम्मी आयी।
इतनी प्यारी सुबह निराली,
खो मत देना सो कर।।

सूर्य की लाल रश्मियाँ,
चली हैं अपने पथ पर।
प्रातः पवन सन्देशा लायी,
कार्य करो तुम उठ कर।।

हवा सुहानी फूलों को,
झूले में अपने झुला रही।
पंछी करते सुबह का स्वागत,
चारों ओर चहक कर।।

रचना
विशाल रस्तोगी (स०अ०)
प्रा० वि० मुन्नू पुरवा, सकरन, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक-21.05.2021 2072 दिन- शुक्रवार

वर्षा

बादल आया बादल आया,
चारों और है अँधेरा छाया।
चलने लगी जब ठण्डी हवाएँ,
बदली-बदली सी है फिजाएँ।।

बारिश भी आने वाली है,
सबको भिगोने वाली है।
पिंकी छाता लेकर आयी,
फिसला पैर सम्भल न पायी।।

भैया राजा झट दौड़ा आया,
हाथ पकड़कर उसे उठाया।
नीचे छाता और ऊपर राजू,
खुद पर रहा ना उसका काबू।।

फिर कागज की नाव बनायी,
मिलकर हमने खूब चलायी।
चारों ओर भर गया पानी,
खत्म हो गयी यह कहानी।।

रचना-
रचना सिंह वानिया (स०अ०)
प्रा० वि० आलमपुर बुजुर्ग
वि० क्षेत्र- रजपुरा, मेरठ

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 21-05-2021

2073

दिन- शुक्रवार

माँ की ममता

देखा है हमने करीब से,
उसकी मेहनत,उसका प्यार।
उसकी नींद भी है न्यौछावर,
देती है स्नेह की सुखद बौछार।।

सुख- दुख में रहती है साथ,
ममता से भर दे सारा जहान।
बुनती है हरदम सपने सुहाने,
तपस्या है उसकी बड़ी महान।।

उम्मीद से चमकती आँखें,
बच्चों में बसती उसकी जान।
आत्मविश्वास से भरी बातें,
चुका नहीं सकते ये एहसान।।

उसका दामन खुशियों से भरके,
दें उसे एक अनोखा उपहार।
उसके सारे सपने सच करके,
सर्वस्व दें माँ की ममता पर वार।।

रचना
अर्चना यादव (प्र०अ०)
प्रा० वि० परसू
सहार, औरैया

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 21-05-2021

2074

दिन- शुक्रवार

वृक्ष

धरा के भूषण होते वृक्ष,
आक्सीजन जो देते स्वच्छ।
वृक्ष हरियाली लाते है,
सभी के मन को भाते है।।

जो पत्थर खाकर फल देते,
कभी हमसे कुछ ना लेते।
हमारे शुभचिन्तक हैं वृक्ष,
लगायें हम सब मिलकर वृक्ष।।

वृक्ष सा कोई ना हितकारी,
वृक्ष है बड़े ही उपकारी।
हुआ मानव अत्याचारी,
कुल्हाड़ी वृक्षों पर मारी।।

वृक्ष है जीवन का आधार,
करो ना इन पर कोई प्रहार।
वृक्ष का करो सभी सम्मान,
वृक्ष है जीवन की मुस्कान।।

रचना
अंकुर पुरवार (स०अ०)
उ.प्रा.वि. सिथरा बुजुर्ग(1-8)
मलासा, कानपुर देहात

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 21/05/2021

2075

दिन- शुक्रवार

'अखबार'

सुबह-सवेरे आते हो तुम,
नई-नई खबरें लाते हो तुम।
कुछ पन्नों में सिमटी दुनिया,
जानें घटना और कहानियाँ।।

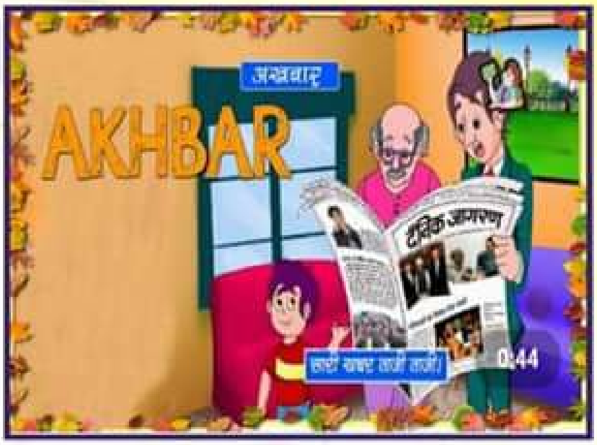

पापा तुमको रोज ही पढ़ते,
पहले पढ़ने को हैं झगड़ते।
कभी-कभी यह फट भी जाता,
रिश्तो को पर यह बुन जाता।।

चाय का साथी कहलाता,
अपडेट हमें यह पल-पल करता।
देश-विदेश परिचित करवाता
दुनिया की यह सैर कराता।।

पुराने संचार के साधन हो तुम,
अब तक साथ निभाया है।
स्वागत तुम्हारा करते हैं हम,
दुनिया को घर में दिखाया है।।

रचना-
प्रतिमा पोद्दार (स०अ०)
प्रा० वि० मनोहरपुर कायस्थ
लोधा, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 21.05.2021 | **2076** | दिन- शुक्रवार

माँ सीता

पडा सूखा जब मिथिला में,
परेशान थी जनता मिथिला में।
करवाया राजा ने यज्ञ जनकपुरी में,
राजा-रानी दोनों ने हल चलाया धरती में।।

धरती जोतते हल टकराया घड़े से,
सुन्दर कन्या जन्मी उस घड़े से।
जगत जननी को हाथ में लिया प्यार से,
सीता नाम मिला पिता जनक से।।

बडी़ हुयी सीता माता दिनों-दिन,
फिर भारी शिव धनुष उठाया एक दिन।
लिया राजा ने प्रण किया सिया स्वयंवर का,
होवे जानकी उसकी जो तोड़े धनुष शिव का।

तोडा़ राम ने धनुष सीता ने पहनायी वरमाला,
सीता ब्याही राम को थे दशरथ के लाला।
फिर सिया ने वनवास, अपहरण का दुःख झेला,
बनी माता सीता रावण की मृत्यु बेला।।

रचना-

उषा गौड (स० अ०)
रा० उ० प्रा० वि०-डोईवाला
डोईवाला, देहरादून

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 21/05/2021 **2077** दिन- शुक्रवार

वीर शिरोमणि पृथ्वी राज चौहान

भारत का इतिहास भरा है,
गौरव गाथाओं से जिनकी।
नमन नमन शत बार नमन है,
नमन जनक जननी को उनकी॥

एक वीर चौहान सिंह जो,
पृथ्वी राज कहाता था।
अलग करे धड़ से सिर अरि का,
अरु शोणित धार बहाता था॥

उम्र अभी षोडश की ही थी ,
पर युद्ध भूमि में उतर गया।
महाबली नाहर राय के,
विकट जाल को कुतर गया॥

किया पराजित महाबली को,
माड़वकर में झण्डा गाड़।
दुनिया हुई अचम्भित-विस्मित,
रही देखती आँखे फाड़॥

इतना वीर कला में माहिर,
चिड़ियों से बतलाता था।
शब्द-भेद में पारंगत वह,
सुनकर तीर चलाता था॥

रचना
रामचन्द्र सिंह (स०अ०)
प्रा० वि० जगजीवनपुर द्वितीय
ऐरायां, फतेहपुर

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

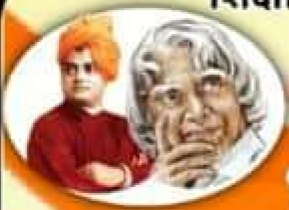

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 22.05.2021 **2078** दिन- शनिवार

गुड टच-बैड टच

रिम्पी, डिम्पल, मेघा आना,
ध्यान से बातें सुनते जाना।
गलत जगह पर कोई छुए,
तो मन मसोसकर मत रह जाना।।

बैड टच यही होता है,
यह बात हमेशा ध्यान में रखना।
माता-पिता के पास में जाकर,
सच-सच सारी बात बताना।।

माता-पिता से गर शरमाओ,
तब बच्चों इतना कर जाना।
शिक्षक के आँचल में जाकर,
झट से बच्चों तुम छुप जाना।।

अपने दिल की सारी बातें,
शिक्षक से बतलाते जाना।
हल कर देंगे समस्या तुम्हारी,
इतना भरोसा हम पर जतलाना।।

रचना- मोना शर्मा (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय पूठी
वि० क्षेत्र- परीक्षितगढ़, मेरठ

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 22-05-2021

2079

दिन- शनिवार

चाँद

उगता चाँद गगन में लगता,
चमकीला ज्यों सपना हो।
जीवन की बगिया में जैसे,
आया कोई अपना हो।।

फैल रहा है चमक चमक कर,
बादल बीच छिपे निकले।
आता है इस तरफ कभी,
उस तरफ जाये मानो फिसले।।

चल तारों के संग साथ वह,
मानो तन पर गहना हो।
जीवन की बगिया में जैसे,
आया कोई अपना हो।।

सरल सहज हो झाँक रहा है,
धरती पर मुस्काता है।
प्रभा बिखेरे है निज हर छण,
गीत खुशी के गाता है।।

रचना
जुगल किशोर त्रिपाठी (शि०मि०)
प्राथमिक विद्यालय बम्हौरी
मऊरानीपुर, झांसी

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक-22/05/2021 **2080** दिन- शनिवार

बेटी मेरी परछाई

तू मेरी परछाई है,
फिर तू क्यों घबरायी है।
माना आज जो मौसम है,
कैसी ये आफत आयी है।।

चारों तरफ है डर फैला,
दहशत सी समायी है।
हर पल हूँ मैं साथ तेरे,
फिर क्यूँ तू छटपटायी है।।

तुझे ना कुछ होने दुँगी,
ये आज कसम खायी है।
मैं तेरी, तू मेरी है,
ये ही बस सच्चाई है।।

जो मन में है, वह तू कह दे,
क्यों तू यूँ शरमायी है।
तू मेरी परछाई है,
फिर तू क्यूँ घबरायी है।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

रचना
हेमलता गुप्ता (स०अ०)
प्रा 0वि0मुकन्दपुर
लोधा,अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक-22-05-2021 2081 दिन- शनिवार

धरती पुत्री वैदेही

तुम सीता, तुम जानकी,
तुम अर्द्धांगिनी राम की।
तुम्हीं वैदेही मैथिली तुम,
पृथ्वी की पुत्री थी तुम।।

धरती जैसी सहनशील तुम,
परीक्षाएँ पल-पल देती तुम।
राम मर्यादा पुरुषोत्तम थे,
उनकी मर्यादा थी तुम।।

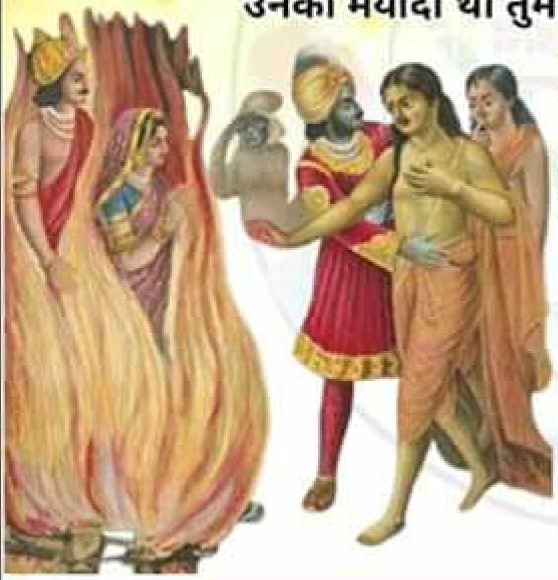

मर्यादा की रेखा पार की,
अपहृत हुई रावण द्वारा।
सीता पर अत्याचार हुआ
लंका का विध्वंस हुआ।।

दी अग्नि परीक्षा, पुनः वनगमन,
लव-कुश को दिलवायी दीक्षा।
धरती पुत्री ने धरा में समाकर
दी मर्यादा की अन्तिम परीक्षा।।

रचना:-
अंजलि डुडेजा (स० अ०)
रा० प्रा० वि० नौगाँव-2
ब्लॉक - कल्जीखाल, पौड़ी गढ़वाल

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक-22/05/2021

2082

दिन-शनिवार

हो आश यही

है नहीं कठिन कुछ, यदि संकल्प करोगे,
निज को कर जागृत, तुम जीत वरोगे।
जो चले गये हैं उनके कुछ अरमान रहे,
उनके स्वप्न सजाओ, यह दिनमान कहे।।

भय और भीरुता त्यागो, हे!कालजयी,
आयेगी बेला कल की, फिर स्वर्णमयी।
जीवन है संघर्षों का, नित यही विचारो,
मिट जायेगी विपत्ति, निज को अगर पुकारो।।

क्यों होते निराश, क्यों होते उदास?
इस बोझिल बेला में, हो एक आश।
माना तम है सघन किन्तु तुम मत हारो,
होती है रात, अगर होती सुबह विचारो।।

यदि हार गये मन से, तो जीत कहाँ?
तुम सबल बनो निर्बलता मीत कहाँ?
कल के सुखमय पल की आस न टारो,
तुम मानव हो निज साहस स्वयं सँवारो।।

रचना
सतीश चन्द्र (प्र०अ०)
प्रा० वि० अकबापुर, पहला, जनपद-सीतापुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 24-05-2021 **2083** दिन- सोमवार

फासले

सुबह की पहली किरण हमें,
एक पैगाम दे जाती है।
एक दिन और मिला हमें,
ये हमको याद दिलाती है।।

अपनों के खोने का गम,
हम कभी भुला ना पाएँगे।
याद उनकी हर पल हम,
आँखों से आँसू बहाएँगे।।

आज अभी हैं साँसें तन में,
पर कल का कुछ पता नहीं।
करनी है ये हम इन्सानों की,
ईश्वर की कोई ख़ता नहीं।।

सूने हो गए घर और द्वार ,
न रही पहली सी कोई बात।
हुए फासले सभी से बहुत ही,
अब होती न कोई मुलाकात।।

रचना
अनीता शर्मा (स०अ०)
पूर्व मा० वि०- गौरी गंगा प्रसाद
भाग्यनगर, औरैया

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

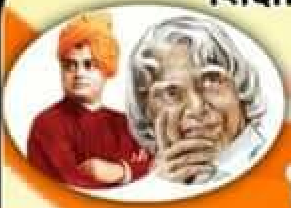

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक-24/05/2021

2084

दिन- सोमवार

सड़क सुरक्षा सप्ताह

दिल्ली, बंगलुरु, कलकत्ता, मुम्बई,
उत्साहित, आनन्दित, आयोजित।
सप्ताह सड़क नियम से सम्बन्धित,
जनहित, परिवहन के प्रति जागृत।।

बैनर, फ़िल्म, गाइड व पोस्टर,
यातायात नियम, योजना पेशेवर।
सुरक्षा मानक, नियम उल्लंघन,
वाहन चालन और जीवन दर्पण।।

वाहन गति नियन्त्रण, हेलमेट,
सिग्नल, सीटबेल्ट, बचे ओवरटेक।
सुरक्षित यू-टर्न, असावधानी मीनमेख,
दुर्घटना से बच, सावधानी तो देख।।

धैर्य, संयम, विवेक के संग-संग,
आओ भर लें जीवन में रंग,
सड़क परिवहन, राजमार्ग मन्त्रालय,
उद्देश्य दुर्घटना मुक्त हो भारत।।

रचना:-
माया गुरुरानी (स० अ०)
रा० आ० प्रा० वि० धौलखेड़ा
ब्लॉक-हल्द्वानी, नैनीताल

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 24.05.2021 **2085** दिन- सोमवार

कठपुतली

कठपुतलियाँ बड़ी प्यारी होती हैं,
सबके मन को लुभाती हैं।
आत्मा इनकी नहीं होती है,
फिर भी बहुत नाचती हैं।।

इंसानों से आत्मा लेती हैं,
भाव भी उनके लेती हैं।
कई प्रकार के रूप लेकर,
इशारे पर उनके नाचती हैं।।

जिस भी मंच पर ये जाती हैं,
सबको आकर्षित करती हैं।
मनोरंजन भी खूब करती हैं,
सन्देश भी कोई दे जाती हैं।।

हम भी खूब कठपुतली बनाते,
प्यारे बच्चों को इनसे पढ़ाते।
ज्ञान उनका स्थायी कर पाते,
मास्टर ट्रेनर हम इनके होते।।

रचना-
माला सिंह (स०अ०)
क० वि० भरौटा
वि० क्षे०- सरधना, मेरठ

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक-24.05.2021

2086

दिन- सोमवार

कद्दू जी

कद्दू जी की बात निराली,
सजती इससे सबकी थाली।
इसमें मिलता विटामिन ए,
29 सितम्बर को मनाया जाता पम्पकिन डे।।

बीज हैं इसके पौष्टिकता से ओत प्रोत,
पौटेशियम, मैग्नीशियम, जिंक, आयरन के है स्रोत।
बीटा केरोटीन मिलता भरपूर,
गोल मटोल है इसका रूप।।

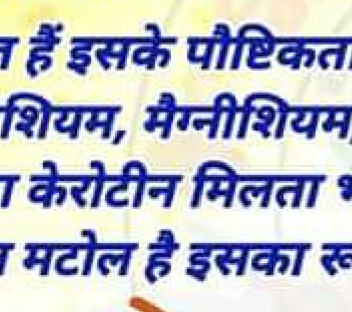

हृदय रोगियों का आहार,
कोलेस्ट्रॉल न बढ़ने देता अपार।
इन्सुलिन को करता सन्तुलित,
तनाव को भी करता नियन्त्रित।।

लम्बा और कमजोर तना है,
वैज्ञानिक नाम इसका कुकुरबिटा है।
स्थलीय और द्विबीजपत्री है,
स्वादिष्ट और गुणकारी भी है।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

रचना

रूपी त्रिपाठी (स० अ०)
उ० प्रा० वि० लोहारी
क्षे०- सरवनखेड़ा
जनपद- कानपुर देहात

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 24-05-2021 | 2087 | दिन- सोमवार

गणेश वन्दना

हे विघ्नहर्ता नमन है हमारा।
दोगे तुम निश्चित जगत को सहारा।।

दया दृष्टि जिसको तुम्हारी है मिलती,
मुस्कान उसके ही होंठो में खिलती।
सभी विघ्न करते हैं उससे किनारा,
हे विघ्नहर्ता नमन है हमारा॥

गिरजा-सुवन, उर सदन नित विराजो,
ऋद्धि-सिद्धि के संग सभी घर में साजो।
दर सबसे आला गजानन तुम्हारा,
हे विघ्नहर्ता नमन है हमारा॥

कैथा व जामुन मधुर फल हो खाते,
मोदक का निश-दिन ही भोग लगाते।
सिन्दूर से सोहे हैं मस्तक तुम्हारा,
हे विघ्नहर्ता नमन है हमारा॥

एकदंत तेरी मूषक सवारी है,
दयावन्त तू ही बुद्धि का दातारी है।
भक्तों से रिश्ता अज़ब है तुम्हारा,
हे विघ्नहर्ता नमन है हमारा॥

रचना - शुभा देवी
उच्च प्राथमिक विद्यालय अमौली
जनपद - फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 24.05.2021

2088

दिन- सोमवार

पोस्टमैन आया

देखो पोस्टमैन आया है,
आज मेरी चिट्ठी लाया है।
रंग-बिरंगी ढेरों चिट्ठियाँ,
बैग में अपने भर लाया है।।

कभी खुशी की खबर है लाता,
कभी-कभी दु:ख ढेर सा लाता।
चिट्ठी में भर कर सबके संदेशें,
दूर-दूर तक सबको पहुँचाता।।

चिट्ठियाँ मन की बात सुनाती,
हालचाल अपनों के बताती।
दूर देश में बैठे जो परिजन,
सबके दिल को पास है लाती।।

चिट्ठी है मन की प्यारी भाषा,
प्रेम की होती मीठी परिभाषा।
चिट्ठी सबके मन को भाए,
दूर देश तक ये आए जाए।।

रचना -
डॉ० नीतू शुक्ला (प्र०अ०)
मॉडल प्राइमरी स्कूल बेथर 1
सिकंदरपुर कर्ण - उन्नाव

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक-24.05.2021 **2089** दिन-सोमवार

तारे प्यारे

झिलमिल-झिलमिल करते तारे,
लगते हैं बच्चों को प्यारे।
बिना रुके चलते रहते हैं,
जग को रोशन करते सारे।।

कुछ बैठे हैं पास-पास,
कुछ लड़ कर बैठे हैं न्यारे।
देख किरण सूरज की पहली,
अम्बर में छिप जाते तारे।।

चन्दा मामा

चन्दा मामा आ भी जाओ,
लोरी हमें सुना भी जाओ।
रूप बदलते हो क्यों इतने?
आकर हमें बता भी जाओ।।

तुम रहते क्यों दूर गगन में?
आकर पास बैठ भी जाओ।
थपकी देकर प्यार की, मामा!
हमको आज सुला जाओ।।

रचना
सुनीता यादव (प्र०अ०)
प्रा० वि० फत्तेपुर मीराबेहड़, हरगाँव, सीतापुर

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

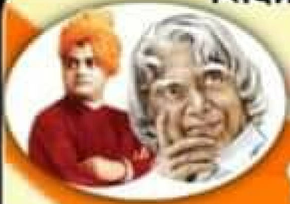

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 25/05/2021 **2090** दिन- मंगलवार

पक्षी

पक्षी बहुत सुन्दर होते हैं,
इन्हीं से खेत-खलिहानों में सवेरे होते हैं।
दिन निकलते ही आसमाँ को कर देते हैं रौशन,
इन्हीं से शामें ढलती हैं, इन्हीं से उजियाले होतें है।।

मुंडेर पर बैठकर अतिथि का आगमन सुनाते हैं,
चोंच में दबाकर कभी दूर पैगाम पहुँचाते हैं।
सुनसान रास्तों को कर देते हैं गुन्जन,
ये ही तो अकेले पथिक के हमसफर होते हैं।।

फूलों में, फलों में मिठास है इन्हीं से,
ये ही तो वृक्षों की शोभा बढ़ाते हैं।
इनकी चहचहाट से प्रफुल्लित हो तन -मन,
ये इतने कर्णप्रिय, इतने मृदुभाषी होते है।।

किसी को चोट पहुँचाते, ना मन दुखाते हैं,
दुखते हृदय में मरहम सा लगा देते हैं।
आज पक्षियों से चलो एक सबक लेते हैं,
मस्ती में जीते हैं और मस्ती से मर जाते हैं।।

रचना-
स्नेहलता (स०अ०)
प्रा० वि० नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक-25/05/2021

2091

दिन- मंगलवार

भारत की पर्वत श्रंखलाएं

भारत देश की सुन्दर धरती,
पर्वतों से है निखरी-निखरी।
उत्तर दिशा में खड़ा हिमालय,
भारत का बन करके प्रहरी।।

पश्चिमी राज्य है राजस्थान,
पर्वत श्रेणी जहाँ अरावली।
विश्व की प्राचीनतम पर्वत श्रंखला,
माउन्ट आबू है जगह निराली।।

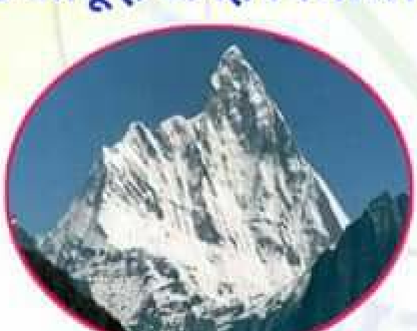

उत्तर-प्रदेश के मिर्जापुर,
जनपद में विन्ध्याचल पर्वत।
माँ विन्ध्यवासिनी मन्दिर इसी पर,
स्थित है यह गोलाकार पर्वत।।

पूर्वोत्तर के राज्यों में फैली,
गारो, खासी और जयन्तिया।
असम, मेघालय, नागालैण्ड, मणिपुर,
और मिजोरम में फैली ये पहाड़ियाँ।।

रचना

शिखा वर्मा (इं०प्र०अ०)
उ० प्रा० वि० स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक-25/05/2021 2092 दिन- मंगलवार

वर्षा ऋतु

जब रिमझिम वर्षा ऋतु आती,
हम सबके मन को खूब लुभाती।
कोयल भी डाली पर बैठ कर,
तब मधु-मधुर गीत सुनाती।।

चारों ओर हरियाली छाती,
पेड़ों की हर डाली मुस्काती।
ठण्डी-ठण्डी हवाओं के झोंके,
हम सबके मन को छू जाते।।

कली-कली फिर खिल जाती,
प्रकृति को सुन्दरता मिल जाती।
धरती भी कर लेती श्रृंगार,
जब रिमझिम वृर्षा ऋतु आती।।

मोर सुन्दर नाच दिखाता,
सबके मन को खूब हर्षाता।
जब रिमझिम वर्षा ऋतु आती,
हम सबके मन को खूब लुभाती।।

रचना-
मृदुला वर्मा (स० अ०)
प्रा० वि० अमरौधा- प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 25.05.2021 **2093** दिन- मंगलवार

माँ की अंगुली

अंगुली माँ की जीवन आधार,
सीखता जिससे हर परिवार।
जीवन तो स्वर्ग बन जाता है,
कथित राह जब चले संसार।।

अंगुली पकड़कर चलना सीखा,
माँ का पहलाअमृत दूध चीखा।
मानव जीवन की यही कहानी,
किसी का मीठा किसी का तीखा।।

जीवन दायिनी माँ होती है,
सुख देकर दुख सहती है।
माँ की ममता अतुलनीय है,
अच्छी बात सदा कहती है।।

यह कर्ज तुम्हें चुकाना होगा,
माँ का दर्द तुम्हें मिटाना होगा।
अंगुली नहीं जीवन कलम है,
यह ताकत तुम्हें दिखाना होगा।

रचना- राजबहादुर यादव (स०अ०)
उ० प्रा० वि० शुदनीपुर
माड़ियाहू, जौनपुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक-25-05-2021 **2094** दिन- मंगलवार

हम सब एक हैं

ठोस, द्रव, गैस से बना ये उपकरण,
जिसके होते हैं विभिन्न नामकरण।
एक दिन माटी में ही मिल जाता है,
कोई-कोई ही हँसता हुआ जाता है।।

अच्छा-अच्छा खाता है,
तन उपकरण भी खूब सँवारता है।
कार्बन-डाइऑक्साइड देता है,
धरती को खूब प्रदूषित करता है।।

पेड़ लगाएँ, हवन कराएँ,
विषैली होने से ये धरा बचाएँ।
तन से ज्यादा मन सजाएँ,
योगालय में जा मन रचाएँ।।

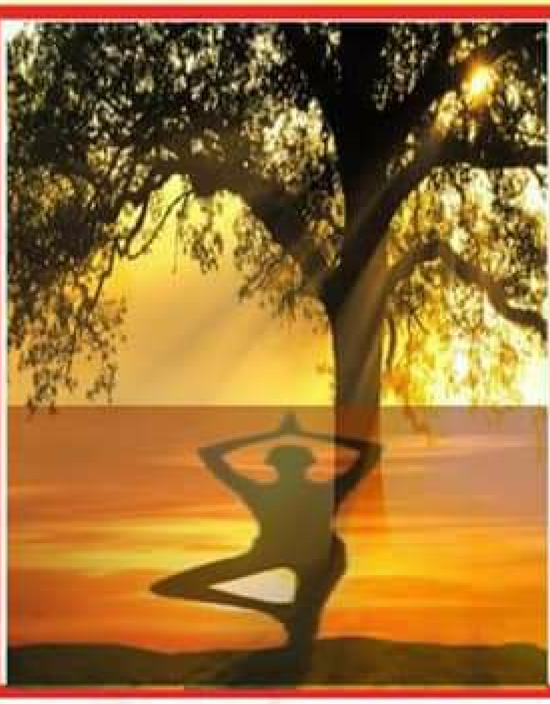

योग करें उस अल्लाह से,
योग करें उस ईशू से।
सारे उपकरण होते एक से रे
योग कर हम ये जान पाएँ रे।।

रचना

प्रतिभा भारद्वाज (स०अ०)
पू०मा०वि० वीरपुर छबीलगढ़ी
जवाँ, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 25/05/2021

2095

दिन- मंगलवार

सड़क सुरक्षा

सड़क सुरक्षा बड़ी जरूरी,
नियम पालन भी जरूरी।
चौराहे पर ट्रैफिक लाइट,
रखती यातायात टाइट।।

लाल बत्ती में रुक जाओ,
पीली हो तैयार हो जाओ।
बत्ती हरी में चलते जाओ,
सबको ये बातें बतलाओ।।

सड़क पार करना तुमको तो,
जेब्रा क्रॉसिंग करो प्रयोग।
पैदल चलना चाह रहे तो,
फुटपाथ का हो उपयोग।।

दो पहिए वाहन में हो तो,
हेलमेट सिर में हो जरूरी।
बिन हेलमेट नहीं सुरक्षा,
जीवन रक्षा बड़ी जरूरी।।

दीक्षा जोशी (प्र०अ०)
रा० प्रा० वि० चोरगलिया
ब्लॉक- हल्द्वानी, नैनीताल

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 26/05/2021

2096

दिन- बुधवार

गौतम बुद्ध

सिद्धार्थ नाम था बचपन में,
और पिता का शुद्धोधन।
माया देवी माँ थी इनकी,
महलों में बीता बचपन।।
पत्नी इनकी यशोधरा थी,
और पुत्र था राहुल।
रहते तो थे महलों में,
पर मन रहता था शोकाकुल।।
अपने प्रश्नों के उत्तर पाने को,
उन्होंने घर छोड़ दिया।
तप, साधना, संयम से,
था अपना नाता जोड़ लिया।।
अपने तप के कारण ही,
उनको फिर ज्ञान प्राप्त हुआ।
सम्पूर्ण विश्व में नाम तब,
भगवान बुद्ध विख्यात हुआ।।

रचना-

भावना शर्मा (प्र०अ०)
प्रा० वि० नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 26/05/2021

2097

दिन- बुधवार

तात्या टोपे

जन-मानस में भभकी ज्वाला,
1857 का गदर हुआ प्रारम्भ।
लक्ष्मीबाई और मंगल पाण्डे,
संग तात्या टोपे ने किया आरम्भ।।

महाराष्ट्र में जन्म हुआ था,
पिता थे इनके पाण्डुरंग राव।
माता थीं इनकी रुक्मीबाई,
असल नाम था रामचन्द्र राव।।

खौल उठा था लहू ज़िगर का,
बदला लेने का किया संकल्प।
नाक में दम कर दिया वीर ने,
जीवन जीकर उसने अल्प।।

शहीद हो गया देश की खातिर,
देकर जीवन का बलिदान।
स्वर्णाक्षरों में अंकित हुआ वह,
ऐसा था देशभक्त वीर महान।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

बी.डी.सिंह (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० मदुरी (1-8)
खजुहा, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक-26-05-2021

2098

दिन- बुधवार

फूल

प्रकृति का ये एक नजारा है,
ईश्वर को जो बहुत प्यारा है।
जन्म ना बार-बार मिलता है,
फूल सिर्फ एक बार खिलता है।।

फूल हर सुबह मुस्कराता है,
संध्या को मुरझा जाता है।
जिन हाथों से तोड़ा जाता है,
खुशबू उसमें भी छोड़ जाता है।।

फूल डाली में खिलखिलाता है,
रूप सभी के मन को भाता है।
दुख सहकर सुख बाँटो सबको,
सीख हमको यही दे जाता है।।

फूल हम सबको यह बताता है,
जिन्दगी क्या है ये समझाता है।
फूल खुद के लिए ना जीता कभी,
दूसरों के लिए मर जाता है।।

रचना
अंकुर पुरवार (स०अ०)
उ.प्रा.वि. सिथरा बुजुर्ग(1-8)
मलासा, कानपुर देहात

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 26-05-2021

2099

दिन- बुधवार

छुटकी

गुमसुम सी छुटकी बोली,
ये लॉकडाउन क्यों लगा हुआ?
ना कोई घर में आता जाता,
ये कब कैसे और क्यों हुआ?

ना होतीं है बर्थडे पार्टी अब,
ना शादियाँ शोर शराबा है।
सन्नाटा चहुँ ओर है पसरा,
क्यों ऐसा ये सब पापा है?

एक बरस से गए नहीं हम,
कहीं भी सैर सपाटे पर।
झूले पार्क सब भूल गये,
ना देखा मैंने नानी का घर।

इतने सारे सवाल सुनकर,
छुटकी से बोले पापा जी।
घर के बाहर मौत खड़ी है,
घर के अन्दर ही रह लो जी।।

रचना
सपना (स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय उजीतीपुर
भाग्यनगर, औरैया

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 26/05/2021 **2100** दिन- बुधवार

महीनों के नाम

जनवरी, फरवरी, मार्च, अप्रैल,
मई और जून जुलाई।
मम्मी सारा काम करे,
और दादी खाये मलाई।।

जनवरी	January
फरवरी	February
मार्च	March
अप्रैल	April
मई	May
जून	June

अगस्त, सितम्बर, अक्टूबर में,
हुई फिर खूब लड़ाई।
अब दादी सारा काम करें,
और मम्मी खायें मलाई।।

JANUARY	जुलाई
FEBRUARY	अगस्त
MARCH	सितम्बर
APRIL	अक्टूबर
MAY	नवम्बर
JUNE	दिसम्बर

नवम्बर और दिसम्बर में,
मिलकर धूम मचायी।
अब दोनों मिलकर काम करें,
और दोनों खायें मलाई।।

बारह महीने एक वर्ष में,
होते हैं देखो भाई।
एक-एक करके याद करो,
और तुम भी खाओ मलाई।।

रचना
रश्मि शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० विशुननगर
खैराबाद, सीतापुर

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

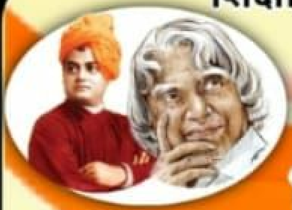

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक-

दिन-

साभार:

राज कुमार शर्मा

नवीन पोरवाल

नैमिष शर्मा

जितेन्द्र कुमार

हेमलता गुप्ता

टीम काव्यांजलि सृजन

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं।

9458278429